दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471
अमन लेखनी
हमारे आस्था की आत्मा है .... परंपरा आस्था का संगम......
वर्ष : 12 | अंक : 259 | लखनऊ, 14 सितम्बर, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

राव ने पटना हाईकोर्ट के सीजे की शपथ ली

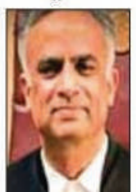

पटना। बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने रविवार को न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ दिलाई। लोक भवन में समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। न्यायमूर्ति राव का जन्म सात अगस्त, 1965 को हुआ था। मार्च 1991 में वकील के रूप में पंजीकरण कराया था।

लुधियाना में पुलिस मुठभेड़ में 2 गैंगस्टर ढेर

लुधियाना। लुधियाना महानगर के आतमनगर चौकी के नजदीक रविवार दोपहर पुलिस और गैंगस्टरों के बीच मुठभेड़ हो गई। प मुठभेड़ में दो गैंगस्टरों की मौत हुई है। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है।प दोनों गैंगस्टरों के पीछे चंडीगढ़ से एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स लगी थी।

दिल्ली के स्वरूप नगर में फैक्टरी में आग, 6 घायल

नई दिल्ली। स्वरूप नगर की गली नंबर 2 में फैक्टरी में आग लग गई। यह घटना खसरा नंबर 357/58 पर स्थित जूडो ड्रेस और बॉक्सिंग ग्लव्स बनाने वाली फैक्टरी में हुई। आग लगने की सूचना पुलिस स्टेशन स्वरूप नगर को दी गई थी। इमारत के भूतल और पहली मंजिल पर आग लगी। घबराहट में सामने के निवासियों ने घरों से छलांग लगा दी। इसमें 6 लोग घायल हो गए।

जरांगे के आंदोलन को नहीं मिली अनुमति

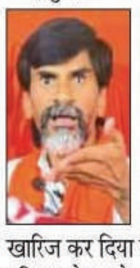

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई से एक बड़ी खबर है। मराठा आरक्षण के लिए मुंबई के आजाद मैदान में 19 सितंबर से आमरण अनशन करने की अनुमति मनोज जरांगे पाटील ने मांगी थी, जिसे मुंबई पुलिस ने खारिज कर दिया है।आजाद मैदान पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजू बिडकर ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। बड़े स्तर पर यहां गणेशोत्सव हो रहा है।

निजी स्कूल पर फायरिंग रंगदारी का पर्चा चिपकाया

मुजफ्फरपुर। यहां के कांटी थाना क्षेत्र में रविवार अहले सुबह बाइक सवार 2 हथियारबंद बदमाशों ने चंद्रशील विद्यापीठ स्कूल के मुख्य गेट और दीवार पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हेलमेट लगाए दोनों बदमाशों ने मुजफ्फरपुर-मोतिहारी एनएच-28 स्थित स्कूल पर18 राउंड गोलियां चलाईं। स्कूल के मुख्य द्वार पर 50 लाख रंगदारी का पर्चा चिपकाया।

ब्रिक्स मैन्यू को लेकर कांग्रेस पर बरसे केंद्रीय मंत्री रिजिजू और भाजपा नेता

सफलता की अनदेखी कर कांग्रेस शाकाहारी व्यंजन पर राजनीति कर रही, भारत ब्राइट स्टार बन उभरा

भाजपा ने पूर्ववर्ती सरकारों का जिक्र कर साधा निशाना, आईएमएफ का हवाला दिया

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

भारत में आयोजित ब्रिक्स समिट 2026 का समापन तो हो गया, लेकिन देश के भीतर महमानों को परोसे गए खाने पर राजनीति गरमा गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर भारत के नॉन-वेज खाने की तारीफ की, जिसके बाद भाजपा ने उन पर निशाना साधा। गांधी ने कहा था, भारत में 80 फीसदी लोग नॉन-वेजिटेरियन हैं। भारत का नॉन-वेज खाना बहुत स्वादिष्ट होता है। इसके साथ उन्होंने छोले-भटूरे की फोटो भी पोस्ट की। इसे ब्रिक्स समिट के डिनर से जोड़कर देखा गया। राहुल के इस बयान के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मुझे यकीन नहीं हो रहा कि कांग्रेस ब्रिक्स देशों के नेताओं को परोसे गए खाने के मेन्यू पर भी राजनीति कर रही है। हमारे मेहमानों ने भारतीय शाकाहारी भोजन का आनंद लिया, जो स्वाद और पोषण से भरपूर है और जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों की परंपराएं शामिल हैं।

रिजिजू ने कहा यकीन नहीं हो रहा कांग्रेस ब्रिक्स देशों के नेताओं के मैन्यू पर भी राजनीति कर रही

वैश्विक स्तर पर आम सहमति बनी तो कांग्रेस नाराज क्यों: भंडारी

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि जब समिट में आलोचना करने के लिए विपक्ष के पास खाने के मेन्यू के अलावा कुछ न हो तो पता चलता है कि ब्रिक्स कितना सफल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर आम सहमति बनाने वाले देश के तौर पर उभरते देख कांग्रेस नाराज है।

ब्रिक्स की सफलता पर रविशंकर गदगद

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की तारीफ, भारत चमकता सितारा बनकर उभरा

ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर कांग्रेस नकी ओर से उठाए गए सवालों पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ब्रिक्स में भारत की स्थिति कमजोर हुई थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज ब्रिक्स में एक चमकता सितारा बनकर उभरा है। आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में भारत की ग्रोथ के बारे में एक बहुत जरूरी बात कही है। आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती की तारीफ की है और सर्विस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड और दूसरे एरिया में भारत की तरक्की को माना है।

कांग्रेस के ये रहे सवाल

- **गलवान के बाद 2020 के बयान पर कांग्रेस का सवाल**
  जयराम ने 19 जून 2020 को हुई सर्वदलीय बैठक का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री के उस बयान पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि न तो कोई भारतीय सीमा में घुसा है और न ही कोई वहां मौजूद है। चीन के साथ हुई सीमा वार्ताओं में भारत की स्थिति पर कोई असर पड़ा।
- **लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को लेकर सरकार से जवाब मांगा**
  कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में भारतीय सैनिकों की पारंपरिक पेट्रोलिंग और स्थानीय स्तर पर चराई से जुड़े अधिकारों को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने अरुणाचल का मुद्दा उठाते हुए कहा कि चीन लगातार इस क्षेत्र पर अपने दावे दोहराता रहा है।
- **ऑपरेशन सिंदूर में चीन की भूमिका पर भी घेरा**
  जयराम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन से मिले कथित समर्थन को लेकर भी सरकार से सवाल किया। सार्वजनिक बयान का हवाला दिया।
- **चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर सरकार को घेरा**
  जयराम ने भारत-चीन व्यापार घाटे को लेकर भी केंद्र सरकार से जवाब मांगा। चीन संग भारत का व्यापार घाटा बढ़ा।

मायावती ने सूझबूझ भरी कूटनीतिक उपलब्धि बताया

बसपा की अध्यक्ष मायावती ने कूटनीतिक उपलब्धि करार देते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका की सैन्य कार्रवाई से बढ़े तनाव,आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 'दिल्ली घोषणापत्र' को सर्वसम्मति से जारी किया जाना आपसी सूझबूझ और कूटनीतिक उपलब्धि से कम नहीं है।

विपक्ष ने भी भारत का माना लोहा

सलमान खुर्शीद ने की तारीफ

कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने भारत की भूमिका को लेकर कहा कि भारत को अपनी अध्यक्षता के दौरान ऐसी व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिसमें अलग-अलग देश साझा मुद्दों पर एक साथ आ सकें।उन्होंने इसे सही कहा।

पीएम मोदी-शी जिनपिंग मुलाकात

गलवान से व्यापार घाटे तक जयराम ने पूछे 4 सवाल

द्विपक्षीय शिखर बैठक के बाद कांग्रेस ने केंद्र से चीन के साथ संबंधों को लेकर 4 बड़े सवाल पूछे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गलवां घाटी,पूर्वी लद्दाख और अरुणाचल सीमा स्थिति, ऑपरेशन सिंदूर में चीन की भूमिका और भारत-चीन व्यापार घाटे तक कई मुद्दे उठाए।

कांग्रेस को मारा जोर का झटका

केजरीवाल ने गोवा में सरदेसाई (जीएफपी) से मिला लिया हाथ

पणजी। गोवा की सियासत में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले नया सियासी समीकरण बना है। आम आदमी पार्टी (आप) और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने रविवार को आगामी विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ने का ऐलान किया। दोनों दलों ने अपने गठबंधन का नाम 'गोवा फर्स्ट' रखा है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और जीएफपी नेता विजय सरदेसाई ने इस गठबंधन की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि यह गठबंधन गोवा के लोगों को 'भाजपा और कांग्रेस से अलग एक विकल्प' देने के लिए चुनाव मैदान में उतरेगा। 2027 के चुनाव में दोनों पार्टियां मिलकर बीजेपी और कांग्रेस के सामने तीसरा राजनीतिक विकल्प खड़ा करने की कोशिश करेंगी।

केजरीवाल ने पहले दिया था बड़े ऐलान का संकेत

केजरीवाल शनिवार को गोवा पहुंचे थे। उन्होंने पहले ही संकेत दे दिया था कि वह राज्य में एक 'बहुत बड़ी घोषणा' करने वाले हैं। उनके दौरे से पहले गोवा के अलग-अलग हिस्सों में आप और जीएफपी के चुनाव चिन्ह वाले पोस्टर भी नजर आए थे। इन पोस्टरों पर लिखा था 'कांग्रेस और भाजपा ने आपको दो बार ठगा है। तीसरी बार उन्हें ऐसा मत करने दीजिए।' इस संदेश के जरिये दोनों दलों ने सीधे तौर पर राज्य की मौजूदा दो प्रमुख राजनीतिक ताकतों को निशाने पर लिया।

कांग्रेस को जीएफपी ने दिया गच्चा

आप और जीएफपी का यह गठबंधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कांग्रेस और जीएफपी के बीच भी चुनावी गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी।हालांकि, अब दोनों पार्टियों के बीच बातचीत आगे बढ़ती नजर नहीं आ रही है।जीएफपी की राज्य कार्यकारिणी ने शनिवार को बैठक कर 'समान विचारधारा वाली धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक ताकतों' के साथ गठबंधन की दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किया था। इसके अगले ही दिन आप के साथ गठबंधन का ऐलान कर दिया गया।

टीएमसी के 'सिंबल' पर घमासान

चुनाव आयोग पहुंची लड़ाई ममता को 16 तक का समय

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

टीएमसी के चुनाव चिन्ह और अधिकार को लेकर ममता बेनर्जी और ऋतब्रत बेनर्जी के गुटों के बीच जारी जंग अब लिचस्प मोड़ पर गई है। दिल्ली में चुनाव आयोग के सामने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आयोग ने ममता को 16 सितंबर दोपहर 3 बजे तक का समय दिया है। चुनाव आयोग ने ममता से साफ कहा है कि अगर उनके पास पार्टी पर अपने दावे को मजबूत करने के लिए कोई अतिरिक्त दस्तावेज या बात है, तो वे जमा कराएं।

ऋतब्रत गुट को भी एक कॉपी दें

आयोग की फुल बेंच ने दिल्ली में ममता गुट और ऋतब्रत के गुट दोनों की बातें सुनीं। दोनों ही पक्षों ने पार्टी पर अपनी दावेदारी साबित करने के लिए कई अहम दस्तावेज सौंपे। आयोग ने ममता को निर्देश दिया कि वे अपने जमा किए जाने वाले दस्तावेजों की एक कॉपी ऋतब्रत गुट को भी दें।

मदरसा शिक्षा मंत्री ने कहा

बंगाल में 232 मदरसे तुरंत होंगे बंद, बगैर मंजूरी के नहीं चलेंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में 232 अवैध मदरसों को तुरंत बंद करने के आदेश दिए गए हैं। 100 मदरसों को शोकॉज जारी किया गया है। अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा मंत्री खुदीराम टुडू ने कहा कि जिला प्रशासन की तरफ से राज्य के मदरसों की जांच की गई है। कोलकाता में मदरसों की प्रबंध, शिक्षक, छात्रा, बुनियादी ढांचा, वित्तपोषण के स्रोत समेत सभी जानकारी ली है। 2,132 मदरसे सही मंजूरी के साथ चल रहे हैं। 2,396 मदरसे बिना इजाजत से ही चल रहे हैं।

100 मदरसों को कारण बताओ नोटिस

मंत्री ने कहा कि कुल 100 मदरसों में गंभीर गड़बड़ियां पाई गईं, जिन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया है। अगर वे यह साबित करने में नाकाम रहते हैं कि वे कानूनी और बिना इजाजत के हैं, तो इन्हें भी बंद कर देंगे।

हैदराबाद में भी मोरया रे...

हैदराबाद। हैदराबाद में गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर रविवार को भक्त भगवान गणेश की मूर्ति खरीदने के लिए उमड़ पड़े।

जैसलमेर में चारों तरफ लग रहे 'बाबा' के जयकारे

रामदेवरा में भादवा मेला शुरू, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राजस्थान के जैसलमेर में लोकदेवता बाबा रामदेव के दरबार रामदेवरा में रविवार से 642वां भादवा मेला शुरू हो गया है। रामदेवरा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। बाबा के दर्शन और धोक लगाने के लिए राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों से भक्त रामदेवरा पहुंच रहे हैं। चारों तरफ बाबा के जयकारे गूंज रहे हैं और पूरा धाम भक्तिमय नजर आ रहा है। भादवा मेले को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त आस्था और उल्लास देखने को मिल रहा है।

'मारवाड़ का कुंभ' में कार्यक्रमों की धूम

श्रद्धालुओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

श्रद्धालुओं के चेहरों पर थकान के बजाय बाबा के दर्शन की खुशी दिखाई दे रही है। रास्तों में भी जगह-जगह श्रद्धालुओं की टोलियां नजर आ रही हैं।

गणेशोत्सव: परेशान कर रही कर्नाटक सरकार: भाजपा

'पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ

बेंगलुरु। कर्नाटक के वरिष्ठ भाजपा नेता आर.अशोक ने रविवार को कांग्रेस सरकार पर गणेशोत्सव मनाने को लेकर लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पुलिस शोभा यात्राओं पर प्रतिबंध लगा रही है, जबकि माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। अशोक ने आरोप लगाया कि सरकार त्योहार को लेकर एकतरफा रवैया अपना रही है। पटाखे मत फोड़ो, शंख मत बजाओ, बोलो मत- यह कैसा न्याय है?

शांतिपूर्वक मनाया जाएगा गणेशोत्सव: सीएम डीके

कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि राज्य में गणेशोत्सव शांतिपूर्वक मनाया जाएगा और उनकी सरकार उत्सव पर कोई रोक नहीं लगाएगी। इससे पहले, भाजपा ने आरोप लगाया था कि पुलिस शोभायात्राओं पर प्रतिबंध लगा रही है।

मलबा एवं पत्थर आने से मार्ग बंद

बारिश, भूस्खलन के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा रुकी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बारिश और भूस्खलन के कारण रविवार को केदारनाथ पैदल यात्रा रोक दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा हैलीपैड के समीप मलबा एवं पत्थर आने से मार्ग अवरुद्ध हो गया है। उसने बताया कि लगातार बारिश होने तथा रास्ते पर पत्थर गिरने से उसे साफ करने में दिक्कत आ रही है। पुलिस ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर पैदल यात्रा रोक दी गयी है। केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को सोनप्रयाग एवं गौरीकुंड तथा वापस आने वाले यात्रियों को जंगलचट्टी में रोक दिया गया है। सभी तीर्थयात्रियों से मार्ग खुलने और प्रशासन से अनुमति मिलने तक पैदल मार्ग पर आगे न बढ़ने का अनुरोध किया गया है। पुलिस ने बताया कि मौसम और मार्ग की स्थिति सामान्य होने के बाद ही यात्रियों की आवाजाही बहाल की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के प्रोफेसर का अमेरिका में जलवा

विश्व के प्रतिष्ठित शैक्षणिक सम्मान फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस के लिए डॉ. कमलेश कुमार दुबे आमंत्रित

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक और तकनीकी प्रतिभा अब अमेरिका की नई पीढ़ी को तकनीक सिखाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों को बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि मिली है। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश कुमार दुबे को अमेरिका के प्रतिष्ठित फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस के रूप में आमंत्रित किया गया है।

यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश की उस बदलती तस्वीर का प्रमाण है, जहां फॉरेंसिक साइंस को आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और वैश्विक अकादमिक सहयोग से जोड़कर नई दिशा दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फॉरेंसिक साइंस को मजबूत करने और उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में विश्व पटल पर स्थापित करने के प्रयासों की दिशा में इसे एक बढ़ते हुए महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे भारत-अमेरिका के बीच गणित, डेटा एनालिटिक्स और उभरती तकनीकों में शोध सहयोग के नए द्वार खुलेंगे।

डॉ. कमलेश कुमार दुबे को वर्ष 2026-27 के लिए अमेरिका के लिविंगस्टोन कॉलेज, सैलिसबरी, नॉर्थ कैरोलिना में फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस के रूप में आमंत्रित किया गया है। वह वहां दो अकादमिक सेमेस्टर तक (मई 2027) शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

अमेरिका में डॉ. दुबे गणित के साथ प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स, बिजनेस एनालिटिक्स, डिस्क्रिप्टिव एनालिटिक्स और डेटा माइनिंग जैसे आधुनिक विषयों से अमेरिकी जेन जी को रूबरू करवाएंगे। गणित से आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, क्रिप्टोग्राफी, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और ब्लॉकचेन जैसे भविष्य की तकनीकों तक उनकी विशेषज्ञता है। फुलब्राइट दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में शामिल है। डॉ. दुबे का चयन उत्तर प्रदेश की अकादमिक और तकनीकी क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली महत्वपूर्ण मान्यता है। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि डॉ. कमलेश कुमार दुबे की यात्रा से भारत और अमेरिका के बीच मैथमेटिक्स, डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, क्रिप्टोग्राफी और अन्य उभरती तकनीकों के क्षेत्र में नए शैक्षणिक एवं शोध सहयोग की संभावनाएं मजबूत होंगी। गणित को एआई और डेटा की दुनिया से जोड़कर पढ़ाने का उनका अनुभव दोनों देशों के शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों के बीच नए अकादमिक संवाद का आधार बन सकता है।

डॉ. जीके गोस्वामी स्वयं फुलब्राइट फ्लेक्स अवार्ड फेलो रह चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी और आधुनिक तकनीकी क्षमताओं को संस्थागत रूप से मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस प्रदेश में आधुनिक फॉरेंसिक इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक अपराधों के साथ-साथ साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड और डेटा आधारित अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में फॉरेंसिक साइंस को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी और क्रिप्टोग्राफी जैसी आधुनिक तकनीकों से जोड़ना समय की आवश्यकता बन चुका है। उत्तर प्रदेश में तैयार हो रहा यह नया फॉरेंसिक इकोसिस्टम केवल अपराध जांच तक सीमित नहीं है। इसका विस्तार साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल फॉरेंसिक, डेटा एनालिटिक्स और उभरती तकनीकों तक हो रहा है। यूपीएसआईएफएस में प्रदेश के विभिन्न जिलों के अधिकारियों को फॉरेंसिक साइंस की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रदेश की जांच व्यवस्था को वैज्ञानिक, तकनीकी और साक्ष्य आधारित बनाना है। इसी व्यापक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय विस्तार डॉ. दुबे का अमेरिका जाना है। वहां वे न केवल अमेरिकी विद्यार्थियों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करेंगे, बल्कि उत्तर प्रदेश में विकसित हो रही फॉरेंसिक और तकनीकी क्षमताओं की झलक भी वैश्विक अकादमिक समुदाय के सामने रखेंगे। डॉ. कमलेश कुमार दुबे की यह उपलब्धि 19 वर्षों से अधिक की अकादमिक यात्रा का परिणाम है। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से गणित में पीएच.डी. तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी.एससी. एवं एम.एससी. की उपाधियां प्राप्त की हैं। उन्होंने अब तक 40 से अधिक शोध-पत्र, 10 पेटेंट और चार पुस्तकें प्रकाशित की हैं। उनके निर्देशन में छह शोधार्थी पीएचडी पूरी कर चुके हैं। डॉ. दुबे का फुलब्राइट स्कॉलर-इन-रेजिडेंस के रूप में अमेरिका जाना इस बात का संकेत है कि उत्तर प्रदेश अब केवल तकनीकी प्रतिभा तैयार करने वाला प्रदेश नहीं, बल्कि वैश्विक ज्ञान-विनिमय में योगदान देने वाला प्रदेश बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप फॉरेंसिक साइंस और आधुनिक तकनीक को प्रदेश की ताकत बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगे हैं।

शहर में डग्गामार वाहन आये तो होगी एआरटीओ पर कार्रवाई

संवाददाता

लखनऊ। शहर में बिना परमिट और नियमों को ताक पर रखकर संचालित हो रहे डग्गामार वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग अब सख्ती करने की तैयारी में है। शहर की सड़कों पर ऐसे वाहनों के बढ़ते संचालन से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इसे देखते हुए एआरटीओ प्रवर्तन की ओर से अभियान चलाकर वाहनों की जांच करने की बात कही गई है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, निर्धारित रूट और परमिट के बिना सवारी ढोने वाले वाहनों को किसी भी स्थिति में शहर में संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। जांच के दौरान फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र और चालक के लाइसेंस समेत अन्य दस्तावेजों की पड़ताल की जाएगी। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित वाहन के खिलाफ चालान और सीज करने की कार्रवाई की जा सकती है।

शहर में कई स्थानों पर डग्गामार वाहन सवारियां भरते देखे जाते हैं। इनमें क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाने के मामले भी सामने आते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा ऐसे वाहनों के चलते अधिकृत रोडवेज और परमिटधारी सार्वजनिक परिवहन संचालकों को भी नुकसान उठाना पड़ता है।

एआरटीओ प्रवर्तन ने स्पष्ट किया है कि अभियान के दौरान किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। शहर के प्रमुख मार्गों, प्रवेश द्वारों और संभावित डग्गामार वाहन स्टैंड पर विशेष नजर रखी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नियमों का पालन कराना प्राथमिकता है। परिवहन विभाग की कार्रवाई से डग्गामार वाहन संचालकों में हड़कंप मचने की उम्मीद है।

दहेज में पांच लाख रुपये की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के सैनिक सोसाइटी कालोनी निवासी विवाहिता कंचन सोनी ने पति सहित ससुरालवालों पर दहेज में पांच लाख रुपये की मांग को लेकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत की। जिसके बाद पीड़िता की शिकायत पर मुख्यमंत्री कार्यालय के आदेश के बाद सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कंचन के मुताबिक उसका विवाह 15 फरवरी 2023 को मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित हरपालपुर निवासी रवि कुमार सोनी से हुआ था। उसका कहना है कि शादी के बाद मार्च से मई 2023 तक वह ससुराल में रही। आरोप है कि पति सीहोर में अपने भाई संजय सोनी और भाभी स्वाती सोनी के साथ रहता था और उसे अपने साथ नहीं रखता था। दिसंबर 2023 में रवि उसे लखनऊ छोड़ गया। कंचन का आरोप है कि अगस्त 2024 तक हरपालपुर में रहने के दौरान सास गोमती सोनी और ससुर नरेश सोनी ने मायके से व्यवसाय के लिए पांच लाख रुपये लाने की मांग की। रुपये न देने पर उसे अपने साथ रखने से इनकार कर दिया। आरोप है कि बाद में पति, जेठ और जेठानी ने भी रुपये की मांग करते हुए उसे लखनऊ भेज दिया। पीड़िता का कहना है किजनवरी 2025 में देवर की शादी के दौरान पति ने उसे बुलाकर साथ रखने का आश्वासन दिया, लेकिन करीब एक माह बाद फिर सीहोर चला गया। आरोप है कि सात मार्च 2026 को रवि लखनऊ आया और रुपये का इंतजाम होने तक उसे ससुराल ले जाने से मना कर दिया। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

एलआईसी एजेंट को गोली मारने के मामले में नाबालिग गिरफ्तार

पांच नामजद समेत आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज है

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ढेढ़मऊ गांव में शुक्रवार शाम एलआईसी एजेंट समेंद्र कुमार यादव को गोली मारने के मामले में पुलिस ने पांच नामजद समेत आठ लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। रविवार को पुलिस ने नामजद आरोपी तिलसुवा निवासी शानू को गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस घटना की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। वारदात के पीछे पुरानी रंजिश का एंगल भी सामने आया है। काकोरी के सैफलपुर निवासी समेंद्र कुमार यादव शुक्रवार शाम ढेढ़मऊ गांव स्थित दुर्गेश जनसेवा केंद्र एवं मोबाइल की दुकान पर फोटो कॉपी कराने गए थे। इसी दौरान दो हमलावर कुछ दूरी पर बाइक खड़ी कर पैदल दुकान के पास पहुंचे और समेंद्र को गोली मार दी। गोली चलने से मौके पर अफरातफरी मच गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली लगने से समेंद्र के माथे और आंख के पास चोट आई। गंभीर हालत में उन्हें उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। समेंद्र के छोटे भाई नरेंद्र कुमार की तहरीर पर पुलिस ने तिलसुवा निवासी शानू, अभय, महेंद्र यादव, जोगेंद्र और नरेंद्र समेत तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। रविवार को पुलिस टीम ने शानू को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ के साथ ही पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

दहेज हत्या के मुकदमे से जुड़ रहा पुरानी रंजिश का तार

पुलिस जांच में घटना के पीछे पुरानी रंजिश की बात भी सामने आई है। दरअसल, 18 अप्रैल 2025 को भुलभुलाखेड़ा निवासी श्रीपाल यादव के बेटे सुधीर की शादी तिलसुवा निवासी जोगेंद्र यादव की बेटी रूपांशी (20) से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ससुरालीजनों ने रूपांशी को दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। मई 2026 में रूपांशी की मौत हो गई थी। इसके बाद जोगेंद्र की ओर से सुधीर समेत अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसी मुकदमे में समेंद्र कुमार यादव को भी नामजद किया गया था। हालांकि पुलिस की विवेचना में समेंद्र के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिलने पर उसका नाम मुकदमे से निकाल दिया गया था। पुलिस के मुताबिक, समेंद्र की शादी भी भुलभुलाखेड़ा निवासी सुधीर की बहन नेहा से हुई है। इसी पारिवारिक विवाद को गोलीकांड से जोड़कर भी पुलिस जांच कर रही है। मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मामले में नामजद आरोपी शानू को गिरफ्तार कर हिरासत में लिया गया है। उससे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। घटना के खुलासे के लिए पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

जालसाजों ने गैस मीटर अपडेट कराने के नाम पर 99 हजार रुपये किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों गैस मीटर अपडेट कराने के नाम पर साइबर जालसाजों ने एक महिला के बैंक खाते से 99 हजार रुपये पार कर दिए। जानकारी होने के बाद पीड़ित महिला ने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराने के बाद बिजनौर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के औरंगाबाद जागीर में रॉयल सिटी स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली रेखा भदौरिया पत्नी सत्यदेव सिंह के मुताबिक 22 अगस्त की शाम उनके व्हाट्सएप नंबर पर गैस मीटर अपडेट करने के संबंध में एक मैसेज आया। इसके बाद एक अज्ञात नंबर से फोन कर बताया गया कि आपका मीटर अपडेट होना है और यदि मीटर अपडेट नहीं हुआ तो गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। पीड़िता का कहना है कि बाद में जालसाजों ने उसे एक लिंक भेजकर एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा। उसके कहने पर पीड़िता ने अज्ञानतावश फाइल डाउनलोड कर ली। इसके कुछ ही देर बाद उसके इंडियन ओवरसीज बैंक खाते से दो बार में 50 हजार और 49 हजार रुपये (कुल 99 हजार) निकल गए। पीड़िता का कहना है कि दोनों लेनदेन करीब एक मिनट के भीतर हुए। बाद में खुद के साथ ठगी की जानकारी होने पर पीड़िता ने साइबर क्राइम पोर्टल और साइबर सेल हजरतगंज में शिकायत दर्ज कराने के साथ बिजनौर थाने में तहरीर दी। फिलहाल पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जालसाजों का पता लगाने में जुटी है।

30 हजार की उम्मीद, 15 हजार पर सिमटी आत्मसम्मान रैली

पारख महासंघ की रैली में अपेक्षा के मुताबिक नहीं पहुंची भीड़, आयोजन को लेकर उठे सवाल

अमन लेखनी समाचार

आत्मसम्मान रैली में शामिल लोग

लखनऊ। पारख महासंघ के बैनर तले रविवार को दुबग्गा स्थित प्रेरणा स्थल परिसर में आयोजित आत्मसम्मान रैली में आयोजकों की उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुट सकी। समान शिक्षा, नशामुक्त समाज, शिक्षा और रोजगार समेत विभिन्न मांगों को लेकर आयोजित रैली में आसपास के कई जनपदों से करीब 15 हजार लोगों के पहुंचने का दावा किया गया। जबकि महासंघ की ओर से रैली में 30 हजार से अधिक लोगों के जुटने की उम्मीद जताई गई थी। आयोजकों को उम्मीद थी कि रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे, लेकिन कार्यक्रम स्थल पर अपेक्षाकृत कम भीड़ नजर आई। इससे रैली को लेकर किए गए बड़े दावों पर सवाल खड़े होते दिखे। हालांकि मंच से वक्ताओं ने सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए शिक्षा, रोजगार और नशामुक्ति को बढ़ावा देने पर जोर दिया रैली में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर, मोहनलालगंज विधायक अमरेश रावत, मलिहाबाद विधायक जय देवी, सरोजनीनगर क्षेत्र से भाजपा नेता राजेंद्र सिंह राजू, पूर्व जिला मंत्री रेनू सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिव बक्श सिंह, नगर पंचायत बंथरा चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत, पार्षद रामनरेश रावत और रेखा राजपूत समेत कई लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने समाज में समानता, शिक्षा और सम्मान की भावना मजबूत करने की बात कही। साथ ही लोगों से महापुरुषों के विचारों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया। हालांकि रैली में जुटी भीड़ आयोजकों के अनुमान से काफी कम रही, जिससे आयोजन का अपेक्षित प्रभाव नजर नहीं आया।

ईंट-पत्थर से हमला और गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात घर पर ईंट-पत्थर से हमला करने और विरोध करने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मामले में बिजनौर के न्यू गुड़ौरा निवासी नितिन रावत ने रॉकी, शिवा, रोकी पंडित, मयंक यादव, शिवांशु और उनके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित नितिन कुमार पुत्र राजू रावत के मुताबिक 11 सितंबर की रात करीब 10:15 बजे रोकी, शिवा, रोकी पंडित, मयंक यादव, शिवांशु और उनके साथियों ने उसके घर पर पहुंचकर अचानक ईंट-पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। हमले से मौके पर अफरातफरी मच गई। नितिन और पड़ोसियों ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद सभी आरोपी मौके से भाग निकले। बाद में पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शराब के नशे में लेटे युवक की बाइक और मोबाइल फोन चोरी

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों किसान पथ पर शराब के नशे में लेटे युवक की बाइक और मोबाइल फोन चोरी हो गया। बाद में जानकारी होने के बाद पीड़ित ने बिजनौर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनौर के गांधीनगर निवासी आकाश नाथ पुत्र किलमनाथ के मुताबिक 9 सितंबर को वह अपनी सुपर स्प्लेंडर बाइक (यूपी 32 जेडी 3398) से आशियाना गया था। उसका कहना है कि वहां से लौटते समय उसने शराब का सेवन कर लिया और नशे में हो गया। रात करीब 12:50 बजे अनूपखेड़ा के पास किसान पथ पर उसने बाइक खड़ी की और नशे की हालत में वहीं लेट गया। कुछ देर बाद होश में आने पर उसने देखा कि उसकी बाइक और मोबाइल फोन गायब था। तब उसने बाइक और मोबाइल की तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। पीड़ित ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने बाइक व मोबाइल चोरी कर लिया। फिलहाल आकाश नाथ की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर चोरों का सुराग लगाने में जुटी है।

बेहता नाले के उफान पर प्रशासन की नजर, एसीपी ने नाव से किया निरीक्षण

नाव से गांव पहुंच रहे ग्रामीण, एसीपी ने लिया जलस्तर का जायजा

वर्षों से पुल की मांग, हर बार मिल रहा सिर्फ आश्वासन

अमन लेखनी समाचार

बेहता नाले का जायजा लेते एसीपी

लखनऊ। बेहता नाले के उफान से रहीमाबाद क्षेत्र के झाऊबेरिया गांव के ग्रामीणों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। नाले का पानी पुलिया के ऊपर से बहने के कारण गांव का मुख्य मार्ग जलमग्न हो गया है। इससे ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित है। रोजमर्रा के काम से बाहर जाने वाले ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों को भी पानी के बीच से होकर गुजरने की परेशानी उठानी पड़ रही है।

शनिवार को मलिहाबाद एसडीएम अपराजिता आर्यन ने झाऊबेरिया गांव पहुंचकर नाव के माध्यम से बेहता नाले का निरीक्षण किया। ग्रामीणों की आवागमन संबंधी समस्या को देखते हुए गांव तक नाव चलाने की व्यवस्था भी कराई गई। इसके बाद रविवार को मलिहाबाद एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह ने गांव पहुंचकर बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। उन्होंने नाव के माध्यम से गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों से बातचीत की और जलभराव से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही पुलिया के ऊपर से बह रहे पानी की गहराई के बारे में भी जानकारी ली। एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए जल पुलिस तैनात की गई है। उन्होंने ग्रामीणों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और तेज बहाव वाले पानी से दूर रहने की अपील की है।

वर्षों से पुल की मांग, नहीं बनी बात

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में हर साल बेहता नाला उफनने के बाद गांव का संपर्क प्रभावित हो जाता है। कई वर्षों से ग्रामीण यहां बड़े पुल के निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन ही मिलता है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या स्थायी होने के बावजूद अब तक इसका कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। वहीं लगातार बारिश के कारण रहीमाबाद कृषि फार्म के कैथुलिया मार्ग पर कई बीघा धान की फसल पानी में पूरी तरह डूब गई है। इससे फसल बर्बाद होने की चिंता सताने लगी है। इस मौके पर रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक समेत एसडीआरएफ टीम और पीएसी बल मौजूद रहा।

करंट की चपेट में आने से ई रिक्शा चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार

मृतक बबलू फाइल – फोटो

लखनऊ। बीती रात चार्जिंग पर लगे ई-रिक्शा में करंट उतरने से चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजन आनन-फानन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

माल थाना क्षेत्र के मुन्नूखेड़ा निवासी बबलू (32) ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। शनिवार रात वह घर के बाहर अपना ई-रिक्शा चार्जिंग पर लगाकर खाना खाने के लिए अंदर चला गया। कुछ देर बाद वह चार्जिंग की स्थिति देखने के लिए बाहर आया। बताया जा रहा है कि बबलू नंगे पैर ई-रिक्शा के पास पहुंचा था। इसी दौरान अचानक ई-रिक्शा में करंट उतर आया और वह उसकी चपेट में आकर बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा। कुछ देर बाद पत्नी बिट्टो घर से बाहर निकली तो पति को जमीन पर पड़ा देखकर चीख पड़ी। परिजन उसे तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर उसे दुबग्गा के पास स्थित देवम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने बबलू को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक, ई-रिक्शा के नीचे सीलन होने के कारण उसमें करंट उतरने की आशंका है। रविवार सुबह घटना की सूचना माल पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवार में मां श्यामा, पत्नी बिट्टो, दो बेटे आशिक, विजय और एक बेटी नैना है जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि परिजनों के कहने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षेप

अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ निगला

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हैबतपुर निवासी 28 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र सियाराम ने अज्ञात कारण के चलते जहरीला पदार्थ निगल लिया। कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे आनन-फानन यहाँ सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर बताई और जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

फसल में जहरीली दवा डालने का आरोप, करीब 1 लाख रुपये का नुकसान

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के गाँव मानपुर मजरे मानिकापुर में रंजिश के चलते किसान की फसल बर्बाद करने का मामला सामने आया है। पीड़ित रामसजीवन पुत्र राममनोहर ने थाने में लिखित तहरीर देकर गाँव के ही तीन लोगों पर जहरीली दवा डालकर फसल नष्ट करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित रामसजीवन के अनुसार, उसने अपने 10 बिस्वा खेत में मूली की फसल बोई थी। आरोप है कि ईर्ष्यावश गाँव के ही राकेश, छुट्टन और बिताना ने गुरुवार रात खेत में जहरीली दवा छिड़क दी। सुबह जब किसान खेत पहुंचा तो पूरी फसल सूखकर नष्ट हो चुकी थी। पीड़ित किसान ने बताया कि इस हरकत से उसे करीब 1 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने बताया तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर कार्यवाही की जा रही है।

आग से झुलसे पति-पत्नी की इलाज के दौरान मौत, बेटा जिंदगी-मौत से जूझ रहा

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के ग्राम काथा में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आग की चपेट में आई पत्नी को बचाने दौड़े पति और बेटे भी बुरी तरह झुलस गए। इलाज के दौरान पति-पत्नी दोनों की मौत हो गई, जबकि बेटा अभी भी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले आनंद की पत्नी उषा घर में काम कर रही थीं, तभी अचानक वह आग की लपटों से घिर गईं। पत्नी को आग में जलता देख पति आनंद और पुत्र विकास दोनों उसे बचाने के लिए दौड़ पड़े। उषा को बचाने के चक्कर में बेटा विकास उम्र लगभग 35 वर्ष और पिता आनंद उम्र लगभग 45 वर्ष गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद ग्रामीणों के सहयोग से तीनों को लखनऊ के विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए ले जाया गया। जहां शुक्रवार रात आनंद की मौत हो गई, वहीं शनिवार रात उसकी पत्नी उषा देवी ने भी दम तोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार आग से झुलसे विकास का अभी भी इलाज चल रहा है। एक ही परिवार में दो मौतों के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। मृतक के दो बेटे हैं, जिसमें एक खुद घायल होकर अस्पताल में भर्ती है, जबकि दूसरे बेटे प्रकाश का रो-रो कर बुरा हाल है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

हाईवे पर नशे में धुत युवकों का हंगामा, कार बैक कर ट्रक को मारी टक्कर

अमन लेखनी समाचार

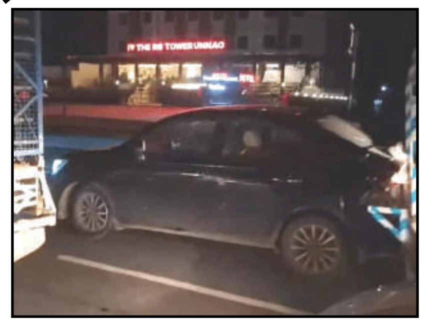

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे पर दही थाना क्षेत्र के अंतर्गत टीकरगढ़ी मोड़ के पास शनिवार देर रात शराब के नशे में धुत दो युवकों ने करीब आधे घंटे तक हंगामा किया। कानपुर से लखनऊ की तरफ जा रहे कार सवार युवकों ने पहले लापरवाही से वाहन चलाते हुए रास्ते में कई वाहनों और पुल की दीवार में टक्कर मार दी। इसके बाद हाईवे पर ही पीछे से आ रहे ट्रक के सामने अपनी कार अड़ा दी और कार को बार-बार बैक करके ट्रक में कई बार टक्कर मार दी। हाईवे के बीचोंबीच कार और ट्रक के खड़े हो जाने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहां मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना को अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आया है। सूचना मिलने पर पीआरवी 6118 मौके पर पहुंची। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को कार से बाहर निकाला और कार समेत हिरासत में लेकर थाने ले गई। कार को हाईवे से हटवाने के बाद यातायात को सामान्य कराया गया। यह पूरी घटना दही थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना शनिवार रात करीब 11 बजे कानपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे पर दही थाना क्षेत्र के टीकरगढ़ी मोड़ के पास हुई। दोनों युवक कानपुर से लखनऊ जा रहे थे और नशे की हालत में बताए जा रहे हैं। आरोप है कि लापरवाही से कार चलाते हुए उन्होंने रास्ते में कई वाहनों को टक्कर मारी और फिर पुल की दीवार से भी कार भिड़ा दी। इसके बावजूद उन्होंने कार रोकने की जगह आगे बढ़ाना जारी रखा। टीकरगढ़ी मोड़ पर पीछे से आ रहे ट्रक के सामने अचानक कार रोक दी। इसके बाद कार को पीछे लेकर ट्रक में टक्कर मार दी। एक बार टक्कर मारने के बाद भी युवक नहीं माने और दोबारा-तिबारा कार बैक कर ट्रक में टक्कर मारते रहे। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम को देखकर ट्रक चालक और आसपास मौजूद लोग भी हैरान रह गए। हंगामे के कारण हाईवे पर करीब आधे घंटे तक जाम जैसी स्थिति बनी रही। वाहनों की रफ्तार थम गई और दोनों ओर कतार लग गई। मौके पर जुटे लोगों ने दोनों युवकों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे कार से बाहर आने को तैयार नहीं थे। बताया जा रहा है कि दोनों किसी बात को लेकर तनाव में भी दिख रहे थे। इसी दौरान किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर मौजूद लोगों द्वारा बनाया गया वीडियो जिसमें कार को बैक कर ट्रक में टक्कर मारते युवक दिख रहे हैं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है और युवकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

एक्सयूवी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक फरार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र में शनिवार शाम तेज रफ्तार एक्सयूवी की टक्कर से बाइक सवार युवक की जान चली गई। यह दुर्घटना भवानीगंज स्थित लालता प्रसाद स्कूल के नजदीक हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि उत्तम कुमार साहू उम्र 30 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक गाड़ी सहित फरार हो गया। रविवार को परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की। मृतक उत्तम बीघापुर थाना क्षेत्र के बाबूखेड़ा गांव के रहने वाले दिनेश कुमार साहू के पुत्र थे। वह लखनऊ में एफडीसी में एमआर के पद पर कार्यरत थे। शनिवार शाम वह बाइक से लखनऊ से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान करीब 7 बजे भवानीगंज में लालता प्रसाद स्कूल के पास एक्सयूवी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने परिजनों को हादसे की सूचना दी जिसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि टक्कर मारने के बाद एक्सयूवी चालक रुका नहीं और वाहन लेकर भाग निकला। लोगों ने कार का नंबर यूपी 32 एमएल 4741 बताया है। उत्तम के चचेरे भाई सुरेंद्र ने पुलिस से चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जानकारी करने पर पता चला कि वाहन के पहले से कई ओवरस्पीडिंग के चालान हो चुके हैं। उत्तम तीन भाई बहनों में सबसे छोटे थे। उनका एक बड़ा भाई और एक बहन है। परिजनों के अनुसार अगले साल मार्च में खेरवा गांव में उनकी शादी तय हुई थी। परिवार शादी की तैयारियों को लेकर खुश था लेकिन हादसे की खबर से घर में कोहराम मच गया। माता-पिता सहित पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। रविवार सुबह से परिजन पोस्टमार्टम हाउस पर जुटने लगे। पुलिस का कहना है कि तहरीर और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की तलाश के साथ ही हादसे से जुड़े अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है।

क्षेत्र के दो दर्जन गांवों में बंदरों का आतंक, शिक्षक को काटा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र में पाठकपुर, सेमरी, गोसाई खेड़ा, केवनी, असोहा, कन्दरपुर, रैनापुर, पहाड़पुर, चन्दनखेड़ा, काथा सहित क्षेत्र के करीब दो दर्जन गांवों में बंदरों का आतंक लगातार जारी है। आज रविवार दोपहर करीब 2 बजे पाठकपुर निवासी शिक्षक सुधीर रावत को बंदर ने बुरी तरह काट लिया। घटना के बाद गांव के समाजसेवी राजेश अग्निहोत्री, सुभाष रावत और मंगल प्रजापति ने साथियों के साथ मिलकर घायल सुधीर रावत को असोहा सीएचसी पहुंचाया। वहां इलाज कराने के बाद जब वह घर लौटे तो उन्हें देखने के लिए घर पर भीड़ लग गई। ग्रामीणों की प्रशासन से मांग है कि इन बंदरों को पकड़वाकर गांव के बाहर किया जाए। बताया जा रहा है कि कल थाना दिवस में भी ग्रामीणों ने इसको लेकर शिकायती पत्र दिया था। इस संबंध में जब सीएचसी प्रभारी बी.पी. सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि महीने में 150 से 200 के बीच कुत्ते, बिल्ली और बंदरों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें सबसे ज्यादा मामले बंदर काटने के हैं। वहीं वन विभाग के दरोगा रमेश कुमार से पूछने पर उन्होंने बताया कि शासन से आदेश है कि अगर ग्राम पंचायत में बंदर हैं तो उन्हें पकड़वाने की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान की है और अगर नगर पंचायत क्षेत्र में हैं तो यह जिम्मेदारी नगर पंचायत की है। इस संबंध में ग्राम प्रधान से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बता रहा था। क्षेत्र में बंदरों के आतंक से लोग बहुत ज्यादा परेशान हैं। काथा और पाठकपुर में संतोष तिवारी, बबली, राजा सविता, प्रेम कुमार, ओम प्रकाश, नन्दकिशोर, शरद कुमार, पप्पू सैनी, हरिशंकर लोधी, गौरव त्रिपाठी, पुष्प लता त्रिपाठी, आस्था त्रिपाठी सहित सैकड़ों लोगों को बंदरों ने काटा है।

बाइक व कार में भीषण टक्कर लगी आग एक की मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मवई ब्रह्मनान गांव समीप गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन स्थित अंडरपास के समीप रविवार दोपहर तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक कार के बंपर में फंसकर करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में बाइक सवार मछली व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई, जिससे बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई जबकि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार युवक मौके से फरार हो गए पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है।

थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र के मवई घनश्याम गांव निवासी प्रदीप (38) पुत्र सियाराम रविवार दोपहर घर से मछली लेने जाने की बात कहकर बाइक से निकले थे। वह गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन से मियागंज-सफीपुर मार्ग पर पहुंचे ही थे कि मियागंज की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक कार के बंपर में फंस गई, जबकि प्रदीप उछलकर करीब 10 मीटर दूर जा गिरे। कार में फंसी बाइक करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग की चपेट में आने से बाइक पूरी तरह जल गई, जबकि कार का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। कार के एयरबैग खुल जाने से चालक व अन्य सवार सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जो मौके से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी बबली ने बताया कि प्रदीप मछली बेचने का काम करते मछली लेने जाने की बात कहकर निकले थे। मौत की खबर से मां शिवरानी, पत्नी बबली और तीन पुत्रियों रोशनी, सलोनी व रजनी तथा पुत्र दीपक का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि मृतक की जेब से मिले मोबाइल फोन पर आई कॉल के जरिए परिजनों को हादसे की सूचना दी गई। शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया है। कार के नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता कराया जा रहा है। उचित कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा नेता शशांक शेखर सिंह ने की बाढ़ पीड़ितों की मदद

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। 165 सदर विधान सभा के प्रत्याशी व जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह के प्रतिनिधि शशांक शेखर सिंह सनी के निदेर्शानुसार उनके सभी शुभचिंतकों ने बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में जाकर पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया जिस पर पीड़ितो ने राहत महसूस की उन्होंने राहत सामग्री पाकर शशांक शेखर सिंह को धन्यवाद किया !सभी ने मिलकर सरोसी के बाढ़ क्षेत्र सिहुरा, सथरा, विक्रमपुर कोठारिया करीमाबाद आदि गांवों में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित किया गया ! गांव में बाढ़ का पानी भरा होने के कारण नाव से जाकर बीच गांव में जो जो घर थे उन सभी लोगों को राहत सामग्री वितरण की ! जिससे लोगों को कोई भीअसुविधा ना हो सके और सभी लोगों को राहत सामग्री मिल सके !जिसमे मुख्य रूप से अवधेश दीक्षित,राकेश अवस्थी,रिंकू शुक्ला, विशु तिवारी,प्रतीक सिंह,सत्येंद्र सिंह,कुश सिंह, रघुवंश मणि त्रिवेदी,सतीश चौहान, पंचम साहू, प्रभात सिंह, मनीष सिंह,बनवारी कश्यप,अभय सिंह,आलोक निषाद, कुलदीप लोधी,आशीष सिंह आदि लोग मौजूद रहे

विधानसभा में भाजपा नेता विजय निषाद ने निकाली जन जागरूकता यात्रा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। पूर्व जिला पंचायत सदस्य व कद्दावर भाजपा नेता विजय निषाद के नेतृत्व में बांगरमऊ विधानसभा क्षेत्र 162 में एक विशाल जन जागरूकता यात्रा निकाली गई। यह यात्रा ग्राम पंचू पुरवा से शुरू होकर पावर हाउस होते हुए पूरे बांगरमऊ नगर का भ्रमण करते हुए संपन्न हुई। इस यात्रा में हजारों की संख्या में स्थानीय लोग, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई है। यात्रा के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कटरी के प्रमुख भाजपा नेता विजय निषाद ने पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और जनता के समर्थन को स्पष्ट रूप से सामने रखा। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व उन पर विश्वास जताते हुए बांगरमऊ विधानसभा क्षेत्र से आगामी चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाती है, तो वे इस सीट पर एक नया ऐतिहासिक परिणाम दर्ज कराएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे इसी क्षेत्र के स्थानीय निवासी हैं, इसलिए बांगरमऊ की आम जनता और मतदाता हर कदम पर उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। विजय निषाद ने अपने संबोधन में क्षेत्र की भौगोलिक और विकास संबंधी चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि उन्हें जनता की सेवा करने का अवसर मिला, तो वे पूरे बांगरमऊ विधानसभा क्षेत्र में विकास की एक अभूतपूर्व धारा बहा देंगे। इसके साथ ही उन्होंने विशेष रूप से कटरी क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर कर उसका पूर्ण और सर्वांगीण विकास कराने का कड़ा संकल्प भी लिया। यात्रा के दौरान जगह-जगह समर्थकों द्वारा भाजपा नेता का जोरदार स्वागत किया गया। इस शक्ति प्रदर्शन को विजय निषाद द्वारा विधानसभा टिकट की दावेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

पानी में उतरता मिला युवक का शव मृतक मिर्गी आने का था मरीज

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रविवार सुबह तौरा मऊ सुल्तानपुर मार्ग पर पुरवा कोतवाली क्षेत्र के तौरा गांव के पास शारदा नहर के निकट छोटी पुलिया में एक युवक का शव उतराता देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जहां पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटने लगी। ग्रामीणों ने शव की पहचान गांव के ही एक युवक की करते हुए परिजनों को सूचना दी। मृतक के पिता रमेश ने घटनास्थल पर पहुँचकर 35 वर्षीय बेटे कमलेश का शव उतराता देख शन्न रहा गया। घटना की जानकारी पुरवा पुलिस को दी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव की विधिक कार्रवाई कर पीएम को भेज दिया है। मृतक के पिता रमेश द्वारा पुलिस को दी गयी तहरीर के मुताबिक कमलेश मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसे मिर्गी की बीमारी थी जिससे अक्सर उसे मिर्गी का दौड़ा उसे पड़ा करता था। 3 दिन पूर्व घर से काम करने की बात कहकर बाहर निकला था। घर वापस न आने पर खोजबीन के बाद भी नही मिला था। कमलेश अक्सर इस पुलिया पर बैठता व लेटता था। मिर्गी आने पर ही गिरने से डूबकर मौत होना पिता द्वारा पुष्टि की गई। वही मृतक की पत्नी किसी बात को लेकर विवाद के चलते पत्नी करीब 6 माह से मायके में रहती थी। मृतक दो भाइयों में बड़ा था छोटा भाई मुकेश,पत्नी सोनम व 13 वर्षीय बेटी विश्वाशनीय का रो रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक भुवन सिंह मौर्य ने बताया कि शव पीएम को भेजा गया ,पिता की तहरीर के मुताबिक मिर्गी की बीमारी होने पर डूबने से मौत की पुष्टि की गई है।

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व को लेकर नगर में तैयारियां पूर्ण

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व को लेकर नगर में तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। सोमवार को विधि- विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रथम पूज्य भगवान गणेश की प्रतिमाएं श्रद्धा और भक्ति के साथ स्थापित की जाएंगी। नगर में करीब 11 स्थानों पर गणपति पंडाल सजाए गए हैं। नगर के मोहल्ला खत्रियाना स्थित गणेश महोत्सव भवन में गणेश जी का 33वां आयोजन सोमवार से प्रारंभ हो जाएगा। जिसमें सर्वप्रथम गणेश जी का पूजन अर्चन एवं दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीधाम वृंदावन से पधारे प्रख्यात कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मुखारविंद से निरंतर 6 दिन गणेश जी का गुणगान होगा। रात्रि में 8 से 10:30 बजे तक कथा होगी। 20 सितंबर को विशाल गणेश शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा मोहल्ला छोटी बाजार, अस्पताल रोड,सिद्धार्थ नगर ,कटरा व न्यू कटरा ,संडीला रोड तथा लखनऊ रोड सहित कई स्थानों पर गणेश प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और विघ्न-बाधाओं के निवारण की कामना करेंगे। गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित होने के बाद प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल आरती, भजन-कीर्तन तथा पूजन का आयोजन किया जाएगा। इससे नगर का वातावरण गणपति भक्ति से सराबोर रहेगा। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। पंडालों में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए भी व्यवस्थाएं की गई हैं। गणेश चतुर्थी को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खासा उत्साह है। श्रद्धालु अपने आराध्य देव के स्वागत के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सोमवार को ह्यगणपति बप्पा मोरयाह्न के जयघोष के साथ नगर में मंगलमूर्ति भगवान गणेश का भव्य स्वागत होगा।

निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता कैंप आयोजितः 80 लोगों की हुई जाँच

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। भारतीय ग्रामीण रोग नियंत्रण संस्थान, लखनऊ द्वारा रविवार को जिला उन्नाव के उपकेन्द्र स्थान मिठाउवा कुआँ पाटन रविदास मंदिर में एक दिवसीय ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर का नेतृत्व टेली हेल्थ सुपरवाइजर नरेन्द्र कुमार और चिकित्सक सहायक रामबहादुर ने किया। कैंप का मुख्य उद्देश्य गैर-संचारी रोगों जैसे मधुमेह (शुगर), उच्च रक्तचाप (बीपी) और ओरल कैंसर जैसी घातक बीमारियों की प्राथमिक स्तर पर पहचान करना और ग्रामीणों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना था। कैंप के दौरान लगभग 80 ग्रामीणों ने अपनी निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच करवाइ जिसमे शुगर और उच्च रक्तचाप से पीड़ित 32 नए मरीजों की पहचान की गई। चिन्हित मरीजों को बेहतर एवं समुचित इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। इसके साथ ही, डॉक्टरों ने उन्हें खान-पान में सुधार, जीवनशैली में बदलाव और इलाज के दौरान निःशुल्क जाँच व चिकित्सीय परामर्श देने के लिए आश्वस्त किया।

इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में धर्मराज, गुलशन, शालू, अमन आदि लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मुकदमा वापस लेने को दबाव बनाने का आरोप, एएसपी से शिकायत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में पुलिसकर्मियों पर मुकदमा वापस लेने और सुलह करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए अपर पुलिस अधीक्षक से शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता राम कुमार ने पुलिस अधिकारियों व कर्मियों पर गैरकानूनी तरीके से दबाव बनाने के साथ ही जान-माल की धमकी देने का आरोप लगाया है।

शिकायत में कहा गया है कि पुलिसिया बर्बरता व कथित अवैध हिरासत के मामले में हाईकोर्ट में दायर रिट याचिका उफछढ संख्या 8566/2026 (राम कुमार बनाम उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य) में 25 अगस्त को पुलिसकर्मियों व अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश हुए थे। शिकायतकर्ता के आवेदन पर मामले में सीओ हसनगंज की संलिप्तता को देखते हुए जांच अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी उन्नाव शैलेंद्र लाल को स्थानांतरित की गई है।

आरोप है कि इसके बाद मामले में सुलह कराने के लिए परिचित अधिवक्ताओं, रिश्तेदारों व इष्ट मित्रों के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है। सुलह के नाम पर बड़ी रकम देने की पेशकश किए जाने तथा मना करने पर शिकायतकर्ता और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में सीओ हसनगंज तेज कुमार सिंह, एसएचओ शरद कुमार, एसआई कल्लू राम यादव समेत अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त पुलिसकर्मी मामले के बावजूद अपने पद पर कार्यरत हैं और शिकायत वापस लेने व सुलह के लिए दबाव बना रहे हैं।

रिश्ता टूटने से नाराज युवक ने घर में घुसकर युवती से की छेड़खानी, केस दर्ज

अमन लेखनी समाचार

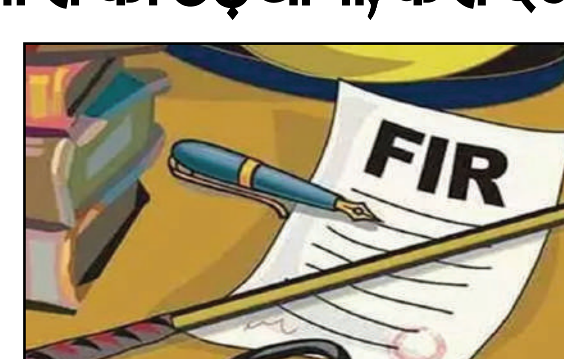

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के गुलरिहा गांव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। शादी का रिश्ता रद्द होने से नाराज एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर युवती के घर में घुसकर मारपीट और छेड़खानी की और जान से मारने की धमकी दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता शिवानी पुत्री बब्लू गौड़ की शादी की बात परिजनों की रजामंदी से राजामऊ निवासी रिंकू पुत्र राममिलन गौड़ से चल रही थी। आरोप है कि रिंकू लगातार पीड़िता के मोबाइल पर फोन कर उसे परेशान करता था। पीड़िता द्वारा दी गई तहरीर के मुताबिक 28 अगस्त की रात करीब 9 बजे जब शिवानी अपने घर पर भाई और दादा-दादी के साथ थी, तभी आरोपी रिंकू जबरन घर में घुस आया।

आरोप है कि आरोपी ने रिश्ता कैंसिल न करने का दबाव बनाते हुए युवती के साथ मारपीट और छेड़खानी की। हंगामे के दौरान आरोपी के साथ लवकुश यादव पुत्र शिवशंकर यादव निवासी ईश्वरीखेड़ा और बरद अवस्थी पुत्र अनिल अवस्थी निवासी मुल्लाही खेड़ा भी मौजूद रहे। जाते-जाते आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएनएस 2023 की विभिन्न गंभीर धाराओं 115(2), 333, 351(3), 352 और 74 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन में जर्जर इमारत ढहने की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है। एक तरह शहरों में तब्दील हो रहे गांव और उनमें बढ़ती आबादी के जरूरत अनुसार तमाम सुविधाएं जुटाने और सुरक्षा मुहैया कराने में प्रशासन और स्थानीय निकाय सुस्त पड़े हैं। वहीं किसी भी घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय न होना भी इस समस्या को और विराल रूप दे रही है। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है, जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

बढ़ती आबादी और सुस्त स्थानीय निकाय

विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

शिक्षक दिवस के अगले ही दिन दिल्ली के सत्य निकेतन की एक इमारत के जमींदोज होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने भारत की शहरी आबादी की सुरक्षा, सहूलियतों और सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर दिया है। भारत की सदियों से पहचान उसकी ग्राम और कृषि संस्कृति के लिए रही है। लेकिन आधुनिक आर्थिकी को अपनाने के बाद भारत अपनी इस पहचान को लगातार पीछे छोड़ने की कोशिश में जुटा है। पश्चिम की तरह वह भी शहरीकरण को विकास का मानदंड मान चुका है। देश की बड़ी आबादी कभी मजबूरी के रोजगार तो कभी शिक्षा तो कभी स्वास्थ्य कारणों से लगातार शहरों की ओर पलायन कर रही है। पलायन की इस प्रवृत्ति को प्रतिशत के लिहाज से देखें तो बड़ी भले न लगे, लेकिन विशाल जनसंख्या वाले देश के लिहाज से असल में यह संख्या बहुत बड़ी है। इसका असर शहरी नियोजन और प्रशासन पर भी रोजाना दिखता है।

आंकड़ों की बाजीगरी में इस दबाव की लगातार अनदेखी होती रहती है। इस खेल में शहरी इलाकों में रहने वाली जनसंख्या और उन्हें मिलने वाले छोटे और किसी तरह पेट भर पाने वाले रोजगार को ही विकास का पैमाना मान लिया जाता है। सत्य निकेतन की घटना ने आंकड़ों की इसी बाजीगरी और शहरी नियोजन के साथ ही शहरी निकाय प्रबंधन के बारे में सोचने का अवसर मुहैया कराया है। शहरी नियोजन और उसकी चुनौतियों को समझने से पहले शहरी इलाकों में रह रही जनसंख्या और शहरों की ओर बढ़ती ललक के आंकड़ों पर ध्यान देना जरूरी है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में शहरी आबादी देश की कुल जनसंख्या का 31.16 प्रतिशत यानी करीब 37.71 करोड़ थी। हालिया अनुमानों के अनुसार, यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 36 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। 1981 की जनगणना रिपोर्ट के मुताबिक देश की शहरी आबादी 15.9 करोड़ और तब की आबादी का 23.3 प्रतिशत थी। साफ है कि भारत में शहरीकरण या शहरों की ओर पलायन अस्सी के दशक में बढ़ गया था, जिसमें नई आर्थिक नीति के बाद तेजी दिख रही है।

अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं

नगर निगम और पुलिस वालों में इतना सहयोग दिखता है कि अगर एक किसी नए निर्माण की सूचना से वंचित रह गया तो दूसरा अपना हिस्सा लेने के बाद उसे सूचित जरूर करता है, ताकि बेईमानी की इस कमाई में आपसी ईमान बना रहे। दिल्ली ही नहीं, देश के तमाम राज्यों में स्थानीय स्तर पर कई गांव भी शहरों में समा गए हैं। लेकिन उनके प्रशासन और नियोजन के लिए स्थानीय निकायों में उस तरह की दिलचस्पी नहीं देखी जाती, जैसी विकसित कॉलोनियों और पॉश मोहल्लों के लिए दिखती है। एक यह भी कारण है कि सत्यनिकेतन की बिल्डिंग जैसे कमजोर और अवैध मकान बनाने की प्रवृत्ति पर लगाम नहीं लग सकती। दो राय नहीं कि संविधान के 73वें और 74वें संशोधन के बाद स्थानीय निकायों को वित्तीय और दूसरे अधिकार तो मिले ही हैं, उनके लिए आवंटन भी बढ़ा। लेकिन उन्हें जैसी चुस्ती दिखानी चाहिए, वह उनमें नहीं दिखती। एक बात और है कि शहरी निकाय प्रशासन की कल्पना शक्ति जैसी होनी चाहिए, नजर नहीं आती। इसलिए विकास की दिशा को लेकर वे सचेत नहीं दिखते। सत्यनिकेतन की घटना के बहाने शहरी निकाय प्रशासन की इन चुनौतियों पर खुला विमर्श होना चाहिए, तभी राह निकलेगी और भविष्य में देश के शहर भी अमेरिकी-यूरोपीय शहरों की तरह साफ, चमकीले और नागरिक सुविधाओं से युक्त बन सकेंगे।

शहरों की ओर पलायन

संयुक्त राष्ट्र-हैबिटैट के वर्ल्ड सिटीज रिपोर्ट 2016 के आकलन के मुताबिक भारत की शहरी आबादी 2015 में 42 करोड़ थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, साल 2030 तक भारत की 40 फीसद से अधिक आबदी शहरी क्षेत्रों में रहने लगेगी, जबकि कुछ अनुमानों में इसे पचास प्रतिशत तक बताया जा रहा है। अगर मौजूदा आंकड़ों के अनुसार मान लें कि करीब 40 फीसद ही आबादी शहरों में रह रही है तो एक सौ पचास करोड़ की जनसंख्या के लिहाज से यह संख्या साठ करोड़ के आसपास बैठती है। यह संख्या अकेले अमेरिका की जनसंख्या से दोगुनी है। लेकिन अर्थव्यवस्था के लिहाज से देखें तो भारत की स्थिति अमेरिका के मुकाबले बेहद कम है। इसलिए उसकी बराबरी कम से कम मौजूदा हालात में संभव नहीं है।

उदारीकरण की जिस मौजूदा आर्थिकी को पूरी दुनिया ने अपना रखा है, वह अमेरिका और ब्रिटेन से आई है। इस लिहाज से देखें तो मौजूदा आर्थिकी के प्रभाव में पूरी दुनिया अमेरिका होना चाहती है, लेकिन संसाधनों के संदर्भ में देखें तो ऐसा होना तत्काल संभव नहीं है।

उचित सुविधाएं जुटाना कठिन

अमेरिका या यूरोप की तरह शहरों में बसना आज प्राथमिकता हो गई है, सरकारें भी चाहती हैं कि गांवों की तुलना में शहर ही ज्यादा हों। इसकी वजह यह है कि शहरी जनसंख्या और रिहायश घनी होती है, ग्रामीण आबादी की तरह बिखरी नहीं होती। इसकी वजह से बिजली और परिवहन जैसी सुविधाएं गांवों की तुलना में शहरी आबादी को कहीं ज्यादा आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है। इस प्रक्रिया में हो ये रहा है कि बेतहाशा बढ़ती शहरी आबादी के लिए उचित सुविधाएं जुटाना ना तो सरकारों के लिए आसान है और न ही शहरी प्रबंधन की जवाबदेही वाले स्थानीय निकाय ही। रही बात शहर आने वाले लोगों की तो उनमें बड़ी संख्या कुछ हजार महीने कमाने वालों की है। अपनी छोटी कमाई से वे किसी तरह गुजर-बसर ही करते हैं। शहरों की बड़ी आबादी इसी वजह से सस्ते या कई बार दड़बेनुमा सीलनभरे मकानों और कमरे में ही जिंदगी गुजारने को मजबूर है। कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के सामने भी कुछ वैसी ही चुनौतियां हैं। सत्यनिकेतन में मारे गए छात्रों में से ज्यादातर ऐसी ही पृष्ठभूमि से थे।

छात्रावासों की निगरानी जरूरी

मौजूदा अर्थव्यवस्था के चलते किसी भी राज्य या शहरी निकाय प्रशासन और सरकार के लिए संभव ही नहीं है कि हर व्यक्ति को साफ और उचित घर मुहैया करा सके।

केंद्र सरकार के भी वश का नहीं कि हर छात्र को वह स्वच्छ और सहूलियत युक्त छात्रावास और कमजोर आर्थिक आय वाले व्यक्ति को मकान उपलब्ध करा सके। लेकिन सरकारें एक काम जरूर कर सकती हैं। खुले बाजार में उचित दर पर सहूलियत भरे मकान उपलब्ध कराने वाले मकान मालिकों और छात्रावास संचालकों की निगरानी जरूर कर सकती है, लेकिन ऐसा होता नहीं। स्थानीय प्रशासन और स्थानीय निकायों के जवाबदेह ज्यादातर लोगों की निगाह ऊपरी कमाई पर होती है। दिल्ली के लोगों को पता है कि वे अगर घर बनाना शुरू करते हैं तो नगर निगम का स्थानीय बेलदार मकान मालिक से वसूलने में देर नहीं लगाता। कानूनी रूप से अब दिल्ली पुलिस की भूमिका इन मामलों में खत्म कर दी गई है। लेकिन अब भी स्थानीय बीट कांस्टेबल भी निर्माण कार्यों के एवज में वसूली करते हैं।

निकायों की जवाबदेही तय करने का समय

व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

परिवर्तन संसार का नियम है। तरक्की करना व्यक्ति व देश की अनिवार्यता है, लेकिन इसके चलते साइड इफेक्ट का भी ध्यान रखना जरूरी है। भारत तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। गांवों और कस्बों से शहरों की ओर बढ़ती आबादी ने महानगरों पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। सड़कें पहले से अधिक व्यस्त हैं, सीवर व्यवस्था पर बोझ बढ़ रहा है, पेयजल की मांग बढ़ रही है और कचरा प्रबंधन जैसी समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी व्यवस्था आज भी काफी हद तक पुराने ढर्रे पर चल रही है। सवाल यह है कि क्या केवल नई सड़कें, फ्लाईओवर और कुछ बड़ी परियोजनाएं बनाकर शहरों को बेहतर बनाया जा सकता है? शायद नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि स्थानीय निकायों और शहरी प्रशासन के पूरे ढांचे की समीक्षा की जाए। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत नागरिकों के सबसे नजदीक की सरकार हैं। नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी अधिकांश समस्याएं इन्हीं संस्थाओं से संबंधित होती हैं- सड़क, नाली, सीवर, कूड़ा, स्ट्रीट लाइट, पार्क, पार्किंग और स्थानीय स्तर की स्वच्छता। लेकिन समस्या यह है कि कई बार जिम्मेदारी स्थानीय निकाय की होती है, जबकि निर्णय लेने और धन उपलब्ध कराने की शक्ति किसी दूसरे स्तर पर होती है। परिणामस्वरूप नागरिक विभागों के बीच चक्कर लगाता रहता है। इस व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। जिस संस्था को जिम्मेदारी दी जाए, उसे पर्याप्त अधिकार और वित्तीय संसाधन भी दिए जाने चाहिए। सड़क बने और कुछ दिन बाद फिर खोद दी जाए। हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है। इससे सरकारी धन की बर्बादी तो होती ही है, नागरिकों को भी धूल, जाम, दुर्घटना और जलभराव जैसी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। इसका समाधान एकीकृत शहरी योजना में है। सड़क निर्माण से पहले यह तय होना चाहिए कि अगले कई वर्षों में उस सड़क के नीचे किन-किन सेवाओं की जरूरत पड़ेगी। नागरिक केवल करदाता नहीं, भागीदार भी हैं। शहर में रहने वाला नागरिक केवल संपत्ति कर, पानी का बिल या अन्य शुल्क देने वाला व्यक्ति नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे यह जानने का अधिकार भी है कि उसके क्षेत्र के विकास के लिए कितना धन आया, कहां खर्च हुआ और काम की गुणवत्ता कैसी रही। सूचना का अधिकार नागरिको को सरकारी रिकॉर्ड और परियोजनाओं से संबंधित जानकारी हासिल करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम देता है। इसी तरह शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों को अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का रास्ता देती है। लेकिन अधिकार तभी प्रभावी होंगे जब शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई भी हो। यदि किसी इलाके में महीनों से सड़क टूटी हुई है, नाली जाम है या जलभराव लगातार हो रहा है, तो नागरिक को यह पता होना चाहिए कि इसके लिए जिम्मेदार विभाग कौन है और समाधान की समयसीमा क्या है। आज जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें हर शिकायत का एक जिम्मेदार अधिकारी, निश्चित समयसीमा और कार्रवाई की स्थिति नागरिक को दिखाई दे। इसके साथ ही नगर निकायों के बजट और परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। जनता को यह जानकारी आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए कि उसके वार्ड में कितना पैसा स्वीकृत हुआ और उसका उपयोग कहां किया गया। वार्ड स्तर पर बढ़े नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। शहरी प्रशासन को केवल अधिकारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिक समूहों को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। मोहल्ले के लोगों को यह बताने का अवसर मिलना चाहिए कि उनके क्षेत्र की प्राथमिक जरूरत क्या है। कहीं सड़क की जरूरत है, कहीं पार्क की, कहीं पार्किंग की और कहीं जल निकासी की। हर इलाके की समस्या एक जैसी नहीं होती। इसलिए स्थानीय जरूरतों के आधार पर स्थानीय योजनाएं बनाना अधिक प्रभावी होगा। शहरों का भविष्य केवल सरकार नहीं, नागरिक भी तय करेंगे। शहरों को स्मार्ट बनाने का अर्थ केवल कैमरे, ऐप और डिजिटल सिस्टम लगाना नहीं है। स्मार्ट शहर वह है जहां नागरिक को साफ सड़क, सुरक्षित फुटपाथ, व्यवस्थित यातायात, पर्याप्त पानी, बेहतर सीवर, स्वच्छ वातावरण और समय पर सरकारी सेवाएं मिलें। इसके लिए सरकार को शहरी प्रशासन का विकेंद्रीकरण, स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और नागरिकों के प्रति स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। आखिरकार शहर किसी एक सरकार या विभाग के नहीं होते। शहर वहा रहने वाले नागरिकों के होते हैं। इसलिए शहरी विकास की हर योजना के केंद्र में नागरिक होना चाहिए। यदि सरकार स्थानीय निकायों को अधिकार, संसाधन और जवाबदेही के तीनों स्तंभ मजबूत कर दे, तो शहरों की अनेक बुनियादी समस्याओं का समाधान स्थायी रूप से किया जा सकता है। अब समय केवल शहरों को फैलाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर तरीके से संचालित करने का है।

हमारे शहरों की एक बड़ी समस्या विभागों के बीच समन्वय की कमी है। एक एजेंसी सड़क बनाती है, कुछ समय बाद सीवर या पानी की पाइपलाइन के लिए सड़क खोद दी जाती है। फिर किसी अन्य एजेंसी द्वारा केबल या पाइपलाइन डालने के लिए वही सड़क दोबारा खोदी जाती है।

अदालती चेतावनी को भी कर रहे नजरअंदाज

अनदेखी

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक बहुमंजिला इमारत गिरने की घटना में एक बार फिर साबित कर दिया है कि राष्ट्रीय राजधानी में लापरवाही की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। जहां कभी अवैध इमारत ढह जाती है, कभी होटलों में आग लग जाती है, कभी पानी कोचिंग सेंटरों के भीतर घुस जाता है, तो कभी भगदड़ जैसी घटनाएं हो जाती हैं। हर बार जवाबदेही बयानों और कागजों में दबकर रह जाती है। सत्य निकेतन की घटना कोई अकेली त्रासदी नहीं है, बल्कि यह भारत की बदहाल शहरी बुनियादी संरचना और जर्जर इमारतों के उस विशाल संकट का एक खौफनाक प्रतीक है, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासन की घोर लापरवाही इंसानी जिंदगियों पर भारी पड़ रही है।

दिल्ली में इमारत गिरने की यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते दो वर्षों में रोहिणी, साकेत, वेलकम, करोल बाग, पहाड़गंज और मुस्तफाबाद के अलावा दिल्ली के कई अन्य इलाकों में इमारत गिरने की घटनाएं हुईं। दिल्ली की एक बड़ी समस्या अनऑथराइज्ड कॉलोनियां भी हैं, जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई हादसा सुनने में आता ही है। इन इलाकों में लंबे समय से मालिकाना हक, सड़क, सीवर और दूसरी बुनियादी सुविधाओं की समस्या रही है। अप्रैल 2026 में सरकार ने 1,511 अनऑथराइज्ड कॉलोनियों को 'जैसी है, जहां है' के आधार पर नियमित करने का फैसला किया। दिल्ली में समस्या यह नहीं है कि हर घर असुरक्षित है या हर सड़क जानलेवा है। समस्या यह है कि बार-बार होने वाले हादसे व्यवस्था की कमजोरियां सामने ला रहे हैं। एनसीआरबी की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया (एडीएसआई) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2024 के बीच देशभर में कुल 7,874 लोगों की जान चली गई। इसमें सबसे चिंताजनक स्थिति देश की राजधानी में इस तरह की घटनाओं में मौत के आंकड़ों का बढ़ना है। अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई की जगह उन्हें संरक्षण दिया जाता है। इन घटनाओं से अवैध निर्माण को कानूनन वैध करने की प्रक्रिया पर भी प्रश्न खड़े होते हैं। अदालती चेतावनी को भी नजरअंदाज किया जाता है। वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर चेतावनी देने के साथ ही वैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जवाबदेही पर जोर दिया था। इसके बावजूद अवैध और असुरक्षित भवनों के विरुद्ध कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। राजधानी में सस्ते आवास की कमी के कारण छात्र, प्रवासी और गरीब परिवार इन असुरक्षित भवनों में रहने को मजबूर होते हैं। साफ है, भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं। उन्हें स्थानीय निकायों के तरफ से नोटिस भी दिया जाता है, परंतु आमतौर पर ऐसे हालातों में स्थानीय प्रबंधन का सहारा ले लिया जाता है, ताकि इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाए। कई धनाढ्य लोगों के लिए, कानून के कोई मायने नहीं होते हैं। उनमें से कई लोग अनाधिकृत निर्माण में लिप्त होते हैं और राजनीतिक रसूख अथवा पैसों की मदद से अपने विरोधियों का मुह बंद कर देते हैं। अहम सवाल ये है कि देश की राजधानी में हुई घटना के लिए किसको जिम्मेदार ठहराया जाए? दिल्ली सरकार, एमसीडी या स्थानीय प्रशासन? कहने को तो कुछ अधिकारियों को निलंबित किया गया है, जैसा कि ऐसे हादसों के बाद हमेशा होता है। क्या निलंबन कोई कार्रवाई होती है? जो आज निलंबित होंगे, वे चार-छह महीनों में दोबारा कुर्सियों पर आ टिकेंगे। क्या इससे जवाबदेही तय होगी? कामकाज में कोई सुधार आएगा? क्या इस कार्रवाई के बाद इमारतें नहीं ढहेंगी? यह सिर्फ दिल्ली का नहीं, पूरे देश का मामला है। सरकारें क्या कर रही हैं? अधिकारी कब जागेंगे? आम आदमी की जान की कद्र कब होगी? दुर्भाग्यवश, हमें ईमानदारीपूर्वक ये मानना होगा कि शहरों में अवैध निर्माण के प्रसार पर समूची रोकथाम नहीं लगाई जा सकी है। इनके सतत बढ़त के पीछे कई वजह हैं। जैसे-जैसे हम बढ़ते हैं और घेरा बनाते जाते हैं, ये शहर अपने साथ-साथ समस्याओं में और भी जटिलताएं लाते हैं।

भारतीय शहरों की घनी आबादी और जमीनों की ऊंची कीमत भी निम्न मध्यम वर्गीय लोगों को, जिन्होंने किसी तरह से खुद के लिए छोटे मकान का बंदोबस्त किया है, वे ही अतिरिक्त निर्माण के लिए बाध्य हैं। ऐसे सभी निर्माण, योजना कानूनों को धराशायी कर देते हैं।

बेहतर व्यवस्था ही दिलाएगी असली गौरव

बुनियादी जरूरत

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

इस समय दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन चल रहा है, जिसमें चीन,रूस जैसी महाशक्तियों समेत कुल 21 देशों के प्रमुख एक ही मंच पर दिखाई दे रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। यानी दुनिया की नजरें इस समय दिल्ली पर टिकी हैं। सम्मेलन में वैश्विक साझेदारी, खुले व्यापार या बदलते शक्ति संतुलन की चर्चाएं हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस राजधानी में नागरिक सुविधाओं को लेकर भी चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आखिर क्यों किसी खास मौके पर ही सरकारी तंत्र सक्रिय हो जाते हैं और यातायात, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा तथा पुलिसिंग सब ठीक-ठाक हो जाती है? दिल्ली के नागरिकों की ओर से सरकार के समक्ष यह एक बड़ा सवाल है। कहते हैं कि सस्ती सुविधाओं के लिए सरकार राजधानी शहर में भी सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों से समझौता करती है। सरकार कई मोर्चे पर असफल साबित होती हैं। यातायात, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के अलावा कई बुनियादी जरूरतें भी हैं जिनमें ढिलाई, भ्रष्टाचार या लापरवाही शामिल हैं। इनके कारण दिल्ली शहर की लगातार बदनामी होती है।

दिल्ली में सत्य निकेतन की घटना में 9 लोगों की जान चली गई। इनमें ज्यादातर छात्र थे। पांच मंजिला इमारत में नियम-कानून को ताक पर रखकर पीजी चलाया जा रहा था। हालांकि इस घटना में एमसीडी के कई अफसरों को निलंबित कर दिया गया। मकान मालिक को गिरफ्तार किया गया। लेकिन यह सब तब हुआ, जब हादसा हो गई। ऐसे में यह सवाल उठता है कि हादसा होने से पहले प्रशासन नींद से क्यों नहीं जागता? घटना के बाद पड़ताल की जा रही है तो एक के बाद एक ऐसी जर्जर इमारतों का पता चल रहा है, जो बहुत ही खतरनाक हैं। पता नहीं, वह किस दिन गिर जाए और कई जिंदगियां दफन हो जाएं। इन इमारतों में रहने वाले छात्र, जो देश का भविष्य हैं। उनका जीवन हर पल खतरे के साए में रहता है।

अवैध निर्माण का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है, जो शहरी नियोजन और सुरक्षा प्रणालियों की खामियों को उजागर करता है।

रोशनी, हवा से महरूम डिब्बानुमा कमरे में आज लाखों बच्चे दिल्ली के विभिन्न सघन आबादी वाले इलाकों में पढ़ाई कर रहे हैं। इस उम्मीद में कि एक दिन उसका करियर और सपना पूरा होगा। इसके लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों में महंगी फीस चुकाकर और महंगे खर्च उठाकर अपना भविष्य संवारने की कोशिश करते हैं। परंतु पैसा कमाने की हवस में मकान मालिक या पीजी संचालक उन्हें मौत का दरवाजा तक दिखा देते हैं। उनकी सुविधाओं का जरा भी ख्याल नहीं रखा जाता। किराया वसूली के लिए काम चलाऊ निर्माण जरूर कर दिया जाता है। सभी जानते हैं कि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निकट छात्र आवास का सघन बाजार है। निजी पेइंग गेस्ट भी बहुत ज्यादा हैं।

गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है। यह घटना कोई नई नहीं है। दिल्ली के हौजरानी, सैदुलाजाब की घटनाओं को अभी लोग भूले भी नहीं थे कि फिर से सत्य निकेतन की हृदयविदारक घटना घट गई। हादसे में किसी ने अपने बेटे, किसी ने भाई और किसी ने परिवार के चिराग को खो दिया। सवाल उठता है कि किसी भी अनहोनी के बाद ही सरकारी सिस्टम क्यों एक्टिव होता है?

अफसरों पर कोई भी कठोर सजा या तुरंत एफआईआर क्यों नहीं होती? हालांकि प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया था, लेकिन उस प्रशासनिक छवि का क्या होगा, जो राजधानी शहर में अच्छा होने का दंभ भरते हैं? आखिर, कब तक जर्जर दीवारों के बीच छात्रों का दम घुटता रहेगा? नॉर्थ कैंपस एरिया, लक्ष्मी नगर, रमेश पार्क, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, मुखर्जी नगर और मुनिरका जैसे इलाके में भी सत्य निकेतन जैसे हालात हैं जहां पुरानी इमारतें, संकरी गलियां, भीड़ और कमजोर सुरक्षा इंतजाम दिखते हैं। इसलिए सरकार को मास्टर प्लान 2047 से पहले भी दिल्ली में बहुत कुछ करने और बदलने की जरूरत है।

गली-मोहल्लों में अवैध निर्माण कर हॉस्टल बना दिए गए हैं। वहां कोई नियम या सरकार की नीति नहीं है। बेहतर प्रबंधन नहीं। जिम्मेदार महकमों से सौदेबाजी कर जहां-तहां बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी जाती है। इनमें होटल और रेस्टोरेंट भी बिना मानक के चला दिए जाते हैं, जो सरासर गलत है।

संक्षेप

उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन ने की अपील

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से 25 लाख तक लोन, 30% सब्सिडी

अमेठी ,बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना चलाई जा रही है। योजना के तहत युवाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए बैंक लोन और मार्जिन मनी सब्सिडी दी जाती है। उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन ने युवाओं से योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने की अपील की है। उद्योग के लिए 25 लाख, सेवा क्षेत्र में 10 लाख तक लोन उपायुक्त उद्योग ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग की ओर से यह योजना संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। योजना के तहत उद्योग या मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में नया काम शुरू करने के लिए 25 लाख रुपए तक और सेवा क्षेत्र के लिए 10 लाख रुपए तक की परियोजनाओं पर बैंक लोन उपलब्ध कराया जाता है।25 से 30% तक मिलेगी सब्सिडीयोजना के तहत पात्र आवेदकों को 25 से 30 प्रतिशत तक मार्जिन मनी सब्सिडी दी जाती है। कारोबार के सफल संचालन के दो साल पूरे होने के बाद यह सब्सिडी मुफ्त अनुदान में बदल जाती है।अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला और दिव्यांगजन श्रेणी के आवेदकों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाता है।इन वर्गों के आवेदकों को न्यूनतम अंशदान में भी छूट का प्रावधान है।18 से 40 साल के युवा कर सकते हैं आवेदन योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना जरूरी है। उसकी उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक कम से कम हाईस्कूल पास होना चाहिए। साथ ही वह किसी बैंक का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदनयोजना का लाभ लेने के इच्छुक युवा विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कजरी तीज पर ग्राम वीरपुर से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

ग्राम प्रधान फौजदार वर्मा के नेतृत्व में शिवभक्तों ने निकाली कांवड़ यात्रा

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। कजरी तीज के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत सोरहिया के ग्राम वीरपुर से भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। ग्राम प्रधान श्री फौजदार वर्मा जी के नेतृत्व एवं विशेष पहल पर आयोजित इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।ग्राम प्रधान श्री फौजदार वर्मा जी ने स्वयं यात्रा की अगुवाई करते हुए श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया तथा यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में निकली कांवड़ यात्रा ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया।

कांवड़ यात्रा ग्राम वीरपुर से प्रारंभ होकर चोरी कुटिया माता मंदिर, परमहंस कुटी होते हुए बाबागंज पहुंची।इसके बाद कांवड़ यात्री पवित्र नदी के तट पर पहुंचकर जल भरेंगे। श्रद्धालु पवित्र जल लेकर रात्रि में मटेरा स्थित जंगली बाबा धाम पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा यात्रा के दौरान ह्यबोल बमह्व और ह्यहर-हर महादेवह्व के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। कांवड़ यात्रा में युवाओं, बुजुर्गों एवं ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कांवड़ यात्रा में नरेंद्र साहू, पवन साहू, मोहनलाल वर्मा, सोनू यादव, रामदीन गौतम, दुर्गेश यादव, भरत यादव, तिलक साहू, पवन वर्मा, मनीष, वीरेंद्र साहू एवं वीर प्रताप वर्मा सहित अनेक ग्रामीण एवं शिवभक्त शामिल रहे इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्री फौजदार वर्मा जी ने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति और आस्था की पहचान हैं।ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव मजबूत होता है। उन्होंने सभी शिवभक्तों को कजरी तीज की शुभकामनाएं देते हुए यात्रा के सफल एवं मंगलमय होने की कामना की।ग्राम प्रधान श्री फौजदार वर्मा जी के नेतृत्व एवं पहल पर आयोजित यह कांवड़ यात्रा ग्रामीण क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की एक सुंदर मिसाल बनकर सामने आई।

गणेश चतुर्थी को लेकर रुपईडीहा थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आदर्श थाना कोतवाली रुपईडीहा में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना क्षेत्र में होने वाले गणेश चतुर्थी आयोजन, प्रतिमा स्थापना तथा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई ।बैठक में बताया गया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत करीब 15 स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इस दौरान गणेश प्रतिमा स्थापना समितियों के पदाधिकारियों से प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने तथा पर्व को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी हरेंद्र मिश्रा ने कहा कि गणेश चतुर्थी का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देता है। सभी गणेश प्रतिमा स्थापना समितियां प्रशासन के निदेशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों से आयोजन स्थल, जुलूस एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सनत कुमार शर्मा ने बैठक का संचालन किया। बैठक में गणेश प्रतिमा स्थापना समितियों के अध्यक्षों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी अपने सुझाव रखे तथा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में संजय कुमार वर्मा, सैयद रजा, इमाम रिजवी, रमेश सिंह, शेर सिंह मनीराम शर्मा मतीन अहमद मेकरानी नगर पंचायत रुपईडीहा के सभासद राजकुमार गुप्ता नरेंद्र मद्धेशिया ध्रुव राज वर्मा सहित विभिन्न गणेश प्रतिमा स्थापना समितियों के अध्यक्ष, पदाधिकारी तथा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंतिम संस्कार में सम्मिलित होने गया युवक नदी में नहाने के दौरान डूबा, हुई मौत

परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच ।जनपद बहराइच के खैरीघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत डल्लापुरवा के बहिरपुरवा निवासी हरिद्वारी पुत्र शंकर दयाल की रविवार को नदी के सोत में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया ।जानकारी के अनुसार, हरिद्वारी मुजेहना गांव निवासी भगवन्त की पत्नी के अंतिम संस्कार में शामिल होने नदी के सोत पर गया था। अंतिम संस्कार के बाद वह नदी में नहाने लगा। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया ।हरिद्वारी को डूबता देख मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उसे बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थानीय गोताखोरों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नदी के गहरे पानी से उसका शव बरामद किया ।घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, मृतक अधेड़ था और मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जाता था। उसकी पत्नी का काफी समय पहले निधन हो चुका था। मृतक की दो बेटियों में एक की शादी हो चुकी है, जबकि एक बेटी और एक बेटा घर पर रहते हैं ।सूचना पर पहुंची खैरीघाट पुलिस ने राजस्व टीम को भी अवगत कराया। पुलिस ने आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।प्रभारी निरीक्षक खैरीघाट प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के भाई की लिखित तहरीर के आधार पर आवश्यक जांच-पड़ताल एवं वैधानिक कार्रवाई पूरी की गई है।

अंडरपास के स्थान पर समपार फाटक और बाबागंज में इंटरसिटी ठहराव की मांग

भारतीय किसान परिषद ने रेल मंत्री को भेजा ज्ञापन, स्टेशन मास्टर को सौंपा पत्र

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारतीय किसान परिषद की बहराइच इकाई ने रविवार को नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन पहुंचकर रेल मंत्री के नाम का ज्ञापन स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय रेल मंत्री को संबोधित ज्ञापन में रूपईडीहा रेलवे स्टेशन से नानपारा जंक्शन के बीच बनाए जा रहे अंडरपास के स्थान पर समपार फाटक का निर्माण कराने तथा बाबागंज रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की गई।

परिषद के प्रदेश संयोजक और जिला संयोजक एसपी सिंह के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि रूपईडीहा, बहराइच, नानपारा, मिहींपुरवा और बलहा क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों, छात्र-छात्राओं सहित आम नागरिकों को अंडरपास बनने से आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। बरसात के दिनों में अंडरपास में जलभराव की समस्या उत्पन्न होने से किसानों और ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो सकता है।ऐसे में जनहित को ध्यान में रखते हुए अंडरपास के स्थान पर समपार फाटक का निर्माण कराया जाना आवश्यक है।

बाबागंज में इंटरसिटी ठहराव की मांग

परिषद ने बाबागंज रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग भी उठाई। ज्ञापन में कहा गया कि ट्रेन का ठहराव नहीं होने से क्षेत्र के हजारों यात्रियों को आवागमन में परेशानी होती है।ठहराव शुरू होने से क्षेत्रवासियों को लखनऊ, गोंडा और बहराइच आने-जाने में सुविधा मिलेगी। ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा, महामंत्री मुन्ना यादव और उपाध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि दोनों मांगें लंबे समय से लंबित हैं। यदि रेल विभाग ने जल्द ही इन मांगों पर विचार नहीं किया तो किसान परिषद आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

भगड़वा घाट पर कजरी तीज मेला शांतिपूर्ण संपन्न

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। भगड़वा घाट पर आयोजित कजरी तीज मेला महोत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मेले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डी.के. श्रीवास्तव के जेरे निगरानी में पुलिस बल ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को संभाला। पुलिसकर्मियों ने मेला परिसर में लगातार गश्त करते हुए भीड़ को व्यवस्थित किया।पुलिस की मुस्तैदी के चलते कजरी तीज मेला महोत्सव शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुआ। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय हिन्द समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकताओं ने फूंका बीएसए का पुतला

ईसीसीई एजुकेटरों की भर्ती में बीएसए पर भ्रष्टाचार का आरोप

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पर भ्रष्टाचार करने तथा भर्ती में धन लेकर अयोग्य व्यक्तियों को नौकरी देने के आरोप लगाए गए हैं इन आरोपों के तहत बीएसए का पुतला फूंककर विरोध किया गया है ।धरना प्रदर्शन की अगवाई कर रहे राष्ट्रीय हिंद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर दहौरा ने बीएसए पर गंभीर आरोप लगाए हैं ।विधानसभा पयागपुर के त्रिभुवन दत्त पुरा में राष्ट्रीय हिन्द समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर दहौरा के नेतृत्व में बहराइच बीएसए का पुतला फूंका गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर दहौरा ने बीएसए पर गंभीर आरोप लगाया कहा कि करप्शन किंग के नाम से जिले की गांव गलियों में चर्चित बीएसए बहराइच के द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग में ईसीसीई एजुकेटरों की भर्ती में भारी अनियमितता बरती गई है जिसमें जिले के निवासियों की उपेक्षा की गई है जिसमें फर्जी अंकपत्र और अन्य तरीके से अवैध भर्तियां करने का प्रयास हुआ है जिसमें बीएसए द्वारा भारी धन की वसूली करने का आरोप लगा है ये बीएसए पूर्व के जिले महराजगंज में तैनाती के दौरान भ्रष्टाचार में निलंबित हो चुका है तथा पिछले फरवरी में बहराइच में रहते हुए 26/27 सत्र की बेसिक शिक्षा की पुस्तकों को एक ट्रक की मात्रा में बेचने का आरोप लगा था जिसमें पुस्तकें ट्रक सहित बरामद हुई थी और तीन कर्मचारी के साथ कबाड़ी को जेल भेजा गया था इसी क्रम में बीएसए द्वारा किए गए भ्रष्टाचार उजागर होने पर आज बीएसए बहराइच का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन करने वालों में मौजूद राष्ट्रीय हिन्द समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर दहौरा,जयनू ठाकुर, कृपा राम गौतम,देवा सिंह, अमर प्रताप सिंह भंटू, बड़कऊ पाल, पुत्तन साहू, राजित राम गौतम, हरिश्चंद्र गौतम,राम लाल गौतम, एडवोकेट रजनीश कनौजिया, संतोष सिंह सरपंच, रमेश सिंह साहब, शिवकुमार सिंह, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

लाडो की हुई मौत से मचा कोहराम, दहशत में इलाकाई

बीते 6 सितंबर को तेंदुए के हमले में घायल हुई थी 3 वर्षीय मासूम

अमन लेखनी समाचार

आर एन तिवारी

शिवपुर, बहराइच। जिले के शिवपुर ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत जूड़ा ग्राम पंचायत के खटकन पुरवा गांव में रविवार सुबह मातम सा छा गया। क्योंकि एक सप्ताह पूर्व तेंदुए के हमले से घायल तीन वर्षीय मासूम लाडो की मौत हो गई। ज्ञात हो कि 6 सितंबर 2026 रविवार शाम करीब 6:40 पर लाडो पुत्री सीताराम अपनी मां अनीता के साथ नल के पास खड़ी थी। मां लाडो को पिलाने के लिए पानी निकालने लगी। तभी पीछे से दबे पांव आया तेंदुआ लाडो को जबड़े में दबोचकर घर से करीब 30 मीटर दूर झाड़ी में लेकर भाग गया। परिजनों के चीखने चिल्लाने पर ग्रामीण लाठी डंडा लेकर हाका लगाते हुए खदेड़ा तभी तेंदुआ मासूम लाडो को गंभीर अवस्था में छोड़ जंगल में चला गया। स्वजन इलाज के लिए पहले सीएचसी नानपारा ले गए जहां हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया। रविवार भोर में इलाज के दौरान लाडो ने दम तोड़ दिया। परिजन शव लेकर घर चले गए। सूचना वन विभाग सहित पुलिस एवं राजस्व को दी। मौके पर उप निरीक्षक राम सुधार यादव, कांस्टेबल हेमंत कश्यप, वन दरोगा बृजेश वर्मा, वन रक्षक रामानंद मिश्रा वन कर्मी शेष कुमार, लल्लन, क्षेत्रीय लेखपाल शुभम यादव तथा प्रधान प्रतिनिधि विनोद निषाद पहुंचे। विधिक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लगातार तेंदुए की दस्तक से सहमे ग्रामीण

घटना के दूसरे दिन रमाकांत के घर तथा शनिवार की रात राम समुझ के घर तेंदुए ने दस्तक दिया। हालांकि इस दौरान लोगों के जगने की वजह से शिकार नहीं कर सका। लेकिन तेंदुए की दस्तक ने इलाके में खौफ पैदा कर दिया है।

गांव के पास वन विभाग ने लगाया पिंजड़ा...

घटना स्थल से करीब 500 मीटर दूर वन विभाग ने एक पिंजड़ा लगाकर तेंदुए को पकड़ने का भरसक प्रयासरत है। लेकिन तेंदुआ चकमा देते हुए पिंजड़े के इर्द गिर्द भटकता ही नहीं है। यह वन विभाग के लिए एक चुनौती से कम नहीं है।

गांव से कुछ दूरी पर है जंगल...

घटना स्थल यानि घटना वाले गांव से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर घना बघौली जंगल है। कयास लगाया जाता है कि इसी जंगल में तेंदुआ वास करता है। रात होते ही शिकार के लिए विचरण करते हैं।

घटना के बाद श्रद्धालुओं की बढ़ी चिंता...

घटना स्थल के पास घने जंगल में सिद्ध प्रसिद्ध मां बौरी समय नाम से एक देवी मंदिर है। जहां नवरात्रि सहित अन्य दिनों में सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा अर्चन के लिए जाते हैं। लेकिन घटना के बाद स्थानीय लोगों सहित श्रद्धालुओं में जंगली जीव से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

लचर विद्युत व्यवस्था भी बन रही घटना की वजह...

प्रमोद कुमार, शमशाद अली, कुलदीप सहनी, मयाराम सोनकर, प्रतापी आदि लोगों ने बताया कि अघोषित बिजली कटौती से गांव का गांव अंधेरे में डूब जाता है। जिस वजह से भी तेंदुआ को शिकार करने में आसानी हो जाती है। गांव के लोगों ने लाइनमैन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि लाइन व ट्रांसफार्मर खराब होने पर फोन किया जाता है। तो उठाते नहीं है। प्राइवेट व्यक्ति को भेजते हैं तो वह धन उगाही करते हैं। 500 से 1000 हजार रुपए की मांग करते हैं।। एक वन अधिकारी ने बताया कि गांव के पास दो ट्रैप कैमरा, एक पिंजड़ा लगाकर निगरानी की जा रही है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। तत्काल पीड़ित परिवार को आठ हजार रुपए की मदद की गई है। पोस्टमार्ट रिपोर्ट आने पर विधिक कार्रवाई पूरी की जाएगी।

नवागत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने भरतपुर का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। नवागत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने भरतपुर का निरीक्षण कर आगामी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित को दिए ।प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा की गई घोषणा के अनुपालन में कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार की गोद में बसे जनपद के दूरस्थ ग्राम भरथापुर के विस्थापित परिवारों के लिए ग्राम सेमरहना में विकसित किये जा रहे स्मार्ट गांव भरतपुर का नवागंतुक जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, अपर जिलाधिकारी अमित कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में ग्राम्य विकास, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, जल निगम, बाल विकास एवं पुष्टाहार व बेसिक शिक्षा सहित अन्य विभाग अपने अपने हिस्से की आहूति डालकर भरथापुर ग्राम के विस्थापित परिवारों के लिए सभी सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट ग्राम का निर्माण करने में निरन्तर अग्रसर हैं। भरतपुर के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि विस्थापित परिवारों के लिए निर्मित होने वाले 136 आवासों के सापेक्ष 30 आवासों की छत पड़ गई है। डीएम को जानकारी दी गई कि विस्थापित परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु निर्मित होने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु भूमि चिन्हित कर ली गई तथा निर्माण कार्य के लिए टेण्डर प्रक्रिया भी पूर्ण कर ली गई है। डीएम द्वारा निर्देश दिया गया कि मा. मुख्यमंत्री जी मंशानुरूप सभी कार्यों को निर्धारित मानक एवं उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाय। निरीक्षण के दौरान विद्युत, लोक निर्माण व अन्य सम्बन्धित विभागों द्वारा भी स्मार्ट ग्राम में सुविधाओं के विकास कार्य प्रगति पर है। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश ग्राम की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जाय। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा (मोतीपुर) मोनालिसा जौहरी, अधि.अभि. लो.नि.वि. प्रा.ख. प्रदीप कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी चन्द्रभान सिंह, तहसीलदार व खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

त्योहारों की दृष्टिगत खैरीघाट थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई संपन्न

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। गणेश चतुर्थी व अन्य आगामी त्योहारों की दृष्टिगत खैरीघाट थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई संपन्न ।जनपद के खैरीघाट थाना परिसर में आज रविवार को गणेश चतुर्थी व अन्य आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार सिंह नेकी। शांति बैठक में थाना क्षेत्र के धर्म गुरुओं, जनप्रतिनिधियों डीजे वादकों आदि के साथ वार्ता करते हुए बताया गया की शान द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार ही शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार संपन्न करें। अराजकता फैलाने वाले व दंगाइयों पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी ।थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने उपस्थित सभी से आपसी भाईचारे के साथ त्योहारों को सकुशल शांति माहौल में संपन्न करने की अपील किया है ।इस अवसर पर खैरीघाट पुलिस सहित थाना क्षेत्र से काफी संख्या में धर्मगुरु, कार्यक्रम कमेटी प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, संभ्रांत गणमान्य जनों की मौजूदगी रही।

बाबागंज चरदा मोड़ चौराहे पर निकला कांवरियों का जुलूस, बोल बम के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। थाना रुपईडीहा क्षेत्र अंतर्गत बाबागंज चरदा मोड़ चौराहे पर रविवार को कांवरियों का जुलूस निकला। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे। कांवरिये राप्ती नदी से जल भरकर जंगली नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए रवाना हुए। इस दौरान चरदा रोड नवयुवक संघ की ओर से कांवरियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। व्यवसायी अनुज वर्मा, रितिक गुप्ता एवं प्रिंस सोनी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को फल, पानी और कोल्ड ड्रिंक वितरित किए गए। सेवा कार्य के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। कांवरियों के जयघोष ह्लबोल बमह्व से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में गूंज उठा। जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा और सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद दिखाई दी। मौके पर बाबादीन वर्मा, नंदकिशोर वर्मा, पत्रकार संतोष मिश्रा, मदन यादव, राम सुहावन, अशोक वर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

संक्षेप

लेखपाल पर लगे रिश्वत के आरोप निराधार

एसडीएम के निर्देश पर हुई जांच में खुलासा, पारिवारिक विवाद के चलते झूठे आरोप लगाए गए

रायबरेली , लालगंज तहसील क्षेत्र के मलकेगांव में लेखपाल पर लगाए गए गंभीर आरोपों से जुड़े वायरल वीडियो की प्रशासनिक जांच पूरी हो गई है। उपजिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव के निर्देश पर हुई जांच में लेखपाल पर लगाए गए अवैध वसूली और प्रताड़ना के आरोप बेबुनियाद और निराधार पाए गए। प्रशासन के मुताबिक, पारिवारिक विवाद और आपसी मनमुटाव के चलते लेखपाल की छवि खराब करने की कोशिश की गई थी।11 सितंबर को गांव पहुंची जांच टीमहाल ही में एक दैनिक समाचार पत्र में ह्यगरीब घूस न दे सका तो लेखपाल बोला-बेटी भेज दोह्न शीर्षक से खबर प्रकाशित हुई थी। इसके साथ सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हुआ था। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देश पर रऊट लालगंज ने जांच के आदेश दिए थे।जांच टीम 11 सितंबर 2026 को मलकेगांव पहुंची। टीम ने मौके पर चश्मदीदों, ग्राम प्रधान और संबंधित परिजनों के बयान दर्ज किए। जांच में नीलम द्विवेदी और उनकी मां सुमन द्विवेदी की ओर से लेखपाल पर लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला।जमीन-मकान को लेकर चल रहा था पारिवारिक विवादजांच में सामने आया कि नीलम द्विवेदी के पिता बाबूशंकर और उनके भाइयों के बीच जमीन और मकान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।11 अगस्त 2026 को सरेनी थाने में दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा भी हुआ था। हालांकि, इसका पालन नहीं हुआ। जांच के मुताबिक, घर गिरने के मुआवजे की मांग पूरी नहीं होने से नीलम और उनकी मां नाराज थीं।इसी विवाद के चलते लेखपाल पर आरोप लगाए जाने की बात सामने आई। लेखपाल ने पहले ही भेज दी थी मकान क्षतिग्रस्त होने की रिपोर्ट प्रशासन के मुताबिक, क्षेत्रीय लेखपाल ने 7 सितंबर 2026 को ही प्रपत्र-20 के माध्यम से बाबूशंकर द्विवेदी के कच्चे मकान के क्षतिग्रस्त होने की सूचना राजस्व निरीक्षक कार्यालय को दे दी थी। मामले में ऑनलाइन आवेदन पोर्टल के जरिए आगे की कार्रवाई के लिए भी आवेदन भेजा गया था।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या का आरोप

प्रेमिका और पति हिरासत में, मिलने बुलाया था, ईंट से हमला कर हत्या की आशंका

रायबरेली , बछरावां थाना क्षेत्र के खैरहनी गांव में प्रेम प्रसंग को लेकर एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि शादीशुदा प्रेमिका ने अपने पति के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी।पुलिस ने महिला और उसके पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस हत्या की वजह और पूरी घटना की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।मृतक की पहचान हरचंदपुर थाना क्षेत्र के छतैया गांव निवासी रमाकांत, पुत्र गणेश प्रसाद के रूप में हुई है।परिजनों के मुताबिक शनिवार को रमाकांत के मोबाइल पर उसकी प्रेमिका का फोन आया था। इसके बाद वह अपनी कार से उससे मिलने खैरहनी गांव पहुंचा था।आरोप है कि वहां पहले से मौजूद महिला और उसके पति ने उस पर ईंटों से हमला कर दिया।प्रेमिका का फोन आया, कार से मिलने पहुंचा था युवक परिजनों के अनुसार शनिवार को रमाकांत के पास उसकी प्रेमिका का फोन आया था।

आरपीएल महासंग्राम की रूपरेखा के लिए जहानाबाद में हुई बैठक

टीम मालिकों के साथ कोर कमेटी ने किया विस्तृत रूप से चर्चा

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर।जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत आयोजित होने वाले रीजनल प्रीमियम लीग मैच के शानदार प्रदर्शन के लिए कोर कमेटी ने टीम मालिकों के साथ समन्वय बैठक संपन्न की समिति के वाइस चेयरमैन अविराम मिश्र उर्फ मोनू द्वारा मिली जानकारी के अनुसार यह बैठक आरपीएल सीजन 3 के रूप में जहानाबाद स्थित एक रेस्टोरेंट में की गई जहां पर उपस्थित कोर कमेटी के अध्यक्ष समेत व्यवस्थापक बुढ़वा ग्राम प्रधान सनोज कुमार बृजेंद्र सचान अरविंद समाज सेवी प्रधान पति श्रीकांत उत्तम विराट शुक्ला स्वागत प्रभारी अब्दुल हसन शब्बीर हसन मोहम्मद उजमान आदि की मौजूदगी में अध्यक्ष राजेश उत्तम ने सभी टीम मालिकों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तृत रूप से बताया वही कोषाध्यक्ष मोहम्मद हसन ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि के रूप में विस्तृत रूप से चर्चा की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद वरिष्ठ अधिवक्ता अमित शुक्ला ने आरपीएल की आधिकारिक वेबसाइट तथा लेटर पैड का अनावरण किया उपस्थित सभी सदस्यों एवं टीम मालिकों ने आरपीएल कोर कमेटी का तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साह वर्धन किया

श्री गणेश महोत्सव की तैयारियां पूर्ण निकाली गई विशाल शोभा यात्रा

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद, फतेहपुर।जनपद के जहानाबाद कस्बे के श्री राम जानकी धाम राम तलाई मंदिर में नवयुवक जन जागरण मंच में आयोजित होने वाले 20 वे श्री गणेश महोत्सव की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं शाम 5:00 बजे विशाल भाव मूर्ति आगमन शोभा यात्रा का आयोजन राम जानकी धाम राम तलाई मंदिर से नगर भ्रमण कर वापस राम जानकी धाम राम तलाई मंदिर से थाना मोड चौक औरंगाबाद लालूगंज बाजार पोजेपुर बस स्टॉप होते हुए राम जानकी धाम रामतलाई मंदिर में समापन की जाएगी इस मौके पर राजा अग्निहोत्री पप्पू शुक्ला लल्लू ओमर मोहित निगम शुभम ओमर अंशु पांडेय नितिन ओमर मंडल अध्यक्ष अभिलाष मौर्य शिवम शुक्ला रिपु राठौर आदि भक्तगण मौजूद रहे।

जहानाबाद पुलिस का शिकंजाः एक वारंटी गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

अमन लेखनी समाचार /रवि श्रीवास्तव

जहानाबाद, फतेहपुर। अपराधियों और वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे पुलिस अभियान के तहत जहानाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नंबर वारंटी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। थाना जहानाबाद पुलिस टीम लगातार वांछित अपराधियों और वारंटियों की धरपकड़ में जुटी हुई है। इसी अभियान के दौरान पुलिस टीम ने वारंटी बब्बू उर्फ दिलशाद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की ।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटी के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी था। गिरफ्तारी के बाद उसे थाना जहानाबाद लाया गया और आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के पश्चात माननीय न्यायालय फतेहपुर के समक्ष पेश किया गया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक बिदेंश कुमार गिरि एवं हेड कांस्टेबल श्याम कुमार शामिल रहे। जहानाबाद पुलिस की कार्रवाई से वारंटियों और अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

ब्रेकडाउन का फायदा उठा चोरों ने उड़ाए 15 लाख के विद्युत तार

मुरादीपुर-महरहा बिंदकी मार्ग पर 30 पोलों से तार चोरी, तीन पोल क्षतिग्रस्त; पुलिस ने शुरू की जांच

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर।बिन्दकी थाना क्षेत्र के मुरादीपुर-महरहा बिंदकी मार्ग पर शनिवार-रविवार की मध्य रात अज्ञात चोरों ने करीब 30 विद्युत पोलों से लगभग 15 लाख रुपये कीमत के विद्युत तार चोरी कर लिए। घटना की जानकारी होने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।अवर अभियंता सुंदरम सिंह यादव ने बताया कि मलवां से बिंदकी रोड द्वितीय उपकेंद्र को जाने वाली 33 केवी लाइन ब्रेकडाउन में है। इसी दौरान गुगौली गांव के बाहर बन रही 11 केवी लाइन के साथ लगी विद्युत लाइनों से तार चोरी किए गए।उन्होंने बताया कि 13 पोलों की 33 केवी लाइन से 960 मीटर डॉग कंडक्टर और 2800 मीटर तार, जबकि 17 पोलों की 11 केवी लाइन से 3300 मीटर वीजल तार चोरी हुआ है।चोरी के दौरान तीन विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। चोरी हुए विद्युत तारों की कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है।थाना प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे घटना में शामिल चोरों का पता लगाया जा सके।

पूर्व प्रबंधक डॉ. एस.के. मिश्रा की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

अमन लेखनी समाचार

निर्मित द्विवेदी

बिन्दकी, फतेहपुर। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, लंका रोड, बिन्दकी, फतेहपुर के पूर्व प्रबंधक एवं विद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉ. एस.के. मिश्रा जी के निधन पर शनिवार, 12 सितम्बर 2026 को विद्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। डॉ. मिश्रा जी का देहावसान 26 अगस्त 2026 को हुआ था। श्रद्धांजलि सभा में डॉ. एस.के. मिश्रा के सुपुत्र आलोक मिश्र, उनकी पत्नी एवं पुत्रवधू सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय एवं समाज के प्रति डॉ. मिश्रा के योगदान को याद करते हुए उनके साथ बिताए संस्मरण साझा किए गए।भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रमाकांत त्रिपाठी, अशोक सिंह चंदेल, वीरेंद्र दुबे तथा लालपुर के छोटे बाबाजी ने डॉ. मिश्रा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जुड़े संस्मरण उपस्थित लोगों के समक्ष रखे। उनके संस्मरण सुनकर सभा में उपस्थित लोग भावुक हो उठे। विद्यालय के प्रधानाचार्य बलराम सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि, डॉ. साहब के योगदान को विद्यालय कभी भुला नहीं सकता। विद्यालय के प्रति उनका समर्पण और उनकी स्मृतियां सदैव हम सभी के हृदय में अंकित रहेंगी।श्रद्धांजलि सभा का संचालन आचार्य मनोज कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में बिन्दकी नगर के अनेक प्रतिष्ठित एवं गणमान्य नागरिकों के साथ विद्यालय का संपूर्ण आचार्य परिवार उपस्थित रहा। सभी ने दिवंगत डॉ. एस.के. मिश्रा जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

पूर्व मंत्री को धमकी देने वाला युवक दूसरे प्रांत से हुआ गिरफ्तार

फतेहपुर प्रशासन ने किया कार्यवाही युवक को भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर,जनपद के हुसैनगंज विधानसभा से पूर्व काल में विधायक रहे तथा उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री रणवेंद्र प्रताप उर्फ धुन्नी सिंह को जान से मार देने की धमकी देने वाले युवक को प्रशासन ने दूसरे प्रांत से गिरफ्तार कर लिया मिली जानकारी के अनुसार युवक ने पूर्व मंत्री धुन्नी सिंह को गोली से मार देने की धमकी दी थी जहां वायरल वीडियो को देखकर भारतीय जनता पार्टी के हथगांव मंडल अध्यक्ष गणेशी लाल साहू ने नजदीकी थाना में लिखित तहरीर देते हुए धमकी देने वाले युवक की गिरफ्तारी की मांग की जानकारी लेने पर प्रशासन ने बताया कि इस मामले की छानबीन करते हुए सर्विलांस टीम गठित की गई थी जहां धमकी देकर युवक धर्मवीर सिंह पुत्र सूरज भान सिंह निवासी ग्राम सिठौरा थाना हथगाव गायब हो गया सर्विलांस टीम के साथ उप निरीक्षक राजन कनौजिया आरक्षी सूरज यादव महिला आरक्षी मोनिका आदि ने दबिश देते हुए दूसरे प्रांत हरियाणा के जिला नरनौल स्थित निजामुद्दीनपुर में धावा बोला जहां से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा तलाशी लेने पर आरोपी के पास एक मोबाइल फोन बरामद हुआ प्रशासन ने गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया

गाय की सेवा कर डीएम ने जिले के विकास यात्रा का किया शुभारंभ

वृहद गो संरक्षण केन्द्र सेमरहना का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल/संतोष मिश्रा

मोतीपुर, बहराइच। जिले के नवागत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय का गायों की सेवा से बेहद लगाव है वह अपने दिन की शुरूआत गायों की सेवा से करते हैं पूर्व में जालौन में जिलाधिकारी के पद पर रहते हुए भी उन्होंने गौ सेवा को प्राथमिकता दी। गौ शालाओं के निरीक्षण और उनके संचालन के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की शुरूआत राजेश कुमार पांडे के द्वारा ही की गई थी जो अब पूरे प्रदेश में गौशालाओं में पायलट प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवीलगाए गए हैं ।जनपद में स्थापित गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से नवागत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता व अपर जिलाधिकारी अमित कुमार के साथ तहसील मिहींपुरवा अन्तर्गत ग्राम सेमरहना में स्थापित वृहद गो संरक्षण केन्द्र का भ्रमण किया। गो आश्रय स्थल पहुंचने पर सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा वृहद गो संरक्षण केन्द्र का निरीक्षण करते हुए गोपूजन कर गोवंशों को गुड़ व फल खिलाकर गौमाता व नंदी का सम्मान किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश कुमार उपाध्याय द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में यहां पर 397 गोवंश संरक्षित हैं। जिसमें 108 नर तथा 289 मादा गोवंश हैं। बताया गया कि संरक्षित गोवंश हेतु 200 कुण्टल भूसा, 07 कुण्टल पशुआहार व 40 कि.ग्रा. नमक उपलब्ध है। जिलाधिकारी द्वारा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक दिवस स्वयं या अपने अधीनस्थ पशुधन प्रसार अधिकारी या पैरावेटों के माध्यम से भ्रमण कर रूग्ण गोवंशों को आवश्यकतानुसार विटामिन, मिनरल्स, चिकित्सा एवं टीकाकरण कर सभी संरक्षित गोवंशों हेतु मानक के अनुसार भूसा, चारा, दाना व हरा चारा की उपलब्धता की सुनिश्चित की जाय। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया गया कि केन्द्र पर उत्पादित गोबर के सदुपयोग के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को गो संरक्षण केन्द्र से जोड़कर वर्मी कम्पोस्ट व गोबर के उपले व अन्य उत्पाद तैयार कराये जाएं। डीएम ने इस कार्य के लिए स्वयं सहायता समूहों के आवश्यक प्रशिक्षण दिलाने तथा आवश्यकतानुसार उपकरण क्रय किये जाने का भी निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि वृहद गो संरक्षण केन्द्र द्वारा तैयार उत्पादों की भरथापुर के नाम से ब्रांडिंग भी की जाय। वर्ष के प्रत्येक महीने में संरक्षित गोवंशों हेतु हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु डीएम ने निर्देश दिया कि ऐसे कृषकों को चिन्हित किया जाये जिनके खेत प्रायः माह फरवरी व मार्च में खाली रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कृषकों से अनुबन्ध करके हरा चारा क्रय करने की व्यवस्था की जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि वृहद गो संरक्षण केन्द्र के प्रवेश द्वार से शेड, आफिस, गोदाम तक खड़ंजा लगवाया जाय। केन्द्र में स्थापित सी.सी.टी.वी. कैमरों की शत-प्रतिशत क्रियाशीलता, इंटरनेट तथा विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ जिला स्तर पर स्थापित कमाण्ड सेन्टर लिंक्ड रखने के भी निर्देश दिये गये। डीएम ने कहा कि निराश्रित गोवंश का संरक्षण शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। गोसंरक्षण केंद्रों में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए गोवंश को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देष दिया कि गोबर गैस संयंत्र के साथ स्थापित जनरेटर को क्रियाशील रखा जाय। डीएम ने शत-प्रतिशत गोवंशों की टैगिंग कराने के साथ-साथ सभी सम्बन्धित अधिकारियों, पशु चिकित्साधिकारी व संचालक को निर्देश दिया कि नियमित रूप अनुश्रवण व पर्यवेक्षण करते हुए यहा की समस्त व्यवस्थाओं को चाक-चौबन्द रखा जाय। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा मोनालिसा चौहरी, जिला पंचायत राज अधिकारी चन्द्रभान सिंह, अधि.अभि. लो.नि.वि., तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दधिकांदो मेले में दो गुटों में भिड़ंत के बाद मारपीट

प्रयागराज में सरेआम चले लात-घूंसे, एक युवक को जमीन पर गिराकर पीटा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,सलोरी में शनिवार रात दधिकांदो मेले के दौरान किसी बात को लेकर दो गुटों में विवाद हो गया। चाट की दुकान के पास शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। दोनों गुटों में शामिल युवकों ने एक-दूसरे पर जमकर लात-घूंसे और थप्पड़ बरसाए। एक युवक को जमीन पर गिराकर भी पीटा गया। मारपीट से मेले में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। प्रयागराज के सलोरी में शनिवार रात दधिकांदो मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इसी दौरान चाट की एक दुकान के पास दो गुटों के युवक खड़े थे। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हो गई। आसपास मौजूद लोगों को लगा कि मामला बातचीत से शांत हो जाएगा, लेकिन कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया कहासुनी के बाद अचानक शुरू हुई मारपीट विवाद बढ़ने के बाद दोनों गुटों के युवक एक-दूसरे पर टूट पड़े। उनके बीच सरेआम लात-घूंसे और थप्पड़ चलने लगे।कुछ युवक एक-दूसरे को पकड़कर मारते दिखाई दिए। इस दौरान एक युवक जमीन पर गिर गया, जिसके बाद उसे भी पीटा गया। मेले में अचानक हुई मारपीट से वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोग तमाशबीन बने रहे तो कुछ ने बीच-बचाव कर युवकों को अलग करने की कोशिश की। कुछ देर बाद मामला शांत हुआ और दोनों पक्ष वहां से चले गए।मारपीट का वीडियो सामने आया इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में मेले की भीड़ के बीच युवक एक-दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।एक युवक को जमीन पर गिराकर पीटने का दृश्य भी वीडियो में नजर आ रहा है। घटना के दौरान आसपास काफी लोग मौजूद थे।पुलिस को नहीं मिली तहरीर घटना को लेकर कर्नलगंज पुलिस का कहना है कि मेले में मारपीट की जानकारी मिली है, लेकिन अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस के मुताबिक शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के दोषी कैदी की अस्पताल में मौत

बेटे ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया, जेल अधीक्षक बोले- हार्ट अटैक से हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , जेल में बंद हत्या के एक दोषी कैदी ताहेर खां की अस्पताल में शनिवार की रात मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। बेटे का कहना है कि 20 दिन पहले लखनऊ के डॉक्टरों ने पिता की ओपन हार्ट सर्जरी कराने को कहा था, लेकिन जेल प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया।मृतक के बेटे दानिश ने बताया कि करीब 20 दिन पहले उनके पिता ताहेर खां को दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें जेल से जिला अस्पताल और फिर लखनऊ भेजा गया था। लखनऊ के डॉक्टरों ने उनकी ओपन हार्ट सर्जरी कराने की सलाह दी थी। दानिश का आरोप है कि उन्होंने जेलर से इस बारे में बात की, तो जेलर ने एस्टीमेट बनाकर देने की बात कही। दानिश ने यह भी बताया कि उन्होंने खुद जिलाधिकारी से आदेश कराकर इलाज कराने की पेशकश की थी, लेकिन जेलर ने मना कर दिया। जेलर ने इलाज कराने का पूरा भरोसा दिया था।

बाल्मीकि युवक के बाल काटने से 3 नाइयों का इनकार

पुलिस ने जांच शुरू की, शिकायत के बाद बंद हुईं दुकानें

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , तीन नाइयों पर बाल्मीकि समाज के एक युवक के बाल काटने से मना करने का आरोप लगा है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है ।यह घटना 8 सितंबर की है,जो शनिवार रात सामने आई। युवक की शिकायत के बाद तीनों नाइयों ने अपनी दुकानें बंद कर दी थीं। हालांकि, शुक्रवार को एक दुकानदार ने अपनी दुकान खोली और युवक के बाल काटे। इसके बाद उसने फिर से दुकान बंद कर दी। इस बीच यह अफवाह भी फैली कि दुकानदार के रिश्तेदारों ने उसके बाल काटने का विरोध किया था। हालांकि, पुलिस की जांच में इसकी पुष्टि नहीं हुई है। दुकानदार ने भी इस बात से इनकार किया है। उधर, बाल्मीकि समाज के लोगों ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। निगोही थाना क्षेत्र के जिंदपुरा गांव के रहने वाले सोनू ने बताया कि 8 सितंबर को वह अरमान की दुकान पर बाल कटवाने गए थे। अरमान ने उनके बाल काटने से मना कर दिया। सोनू ने इंतजार करने की बात कही, लेकिन अरमान फिर भी बाल काटने को तैयार नहीं हुआ। इसके बाद सोनू पास की समीर और वारिस की दुकानों पर गए। सोनू के मुताबिक, समीर और वारिस ने भी बाल काटने से इनकार कर दिया।

कूड़े के ढेर पर मिला अज्ञात शव

कपड़ों से पहचान से जुड़े कागजात नहीं मिले, पुलिस शिनाख्त कराने में जुटी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर,रविवार दोपहर 12 बजे रोड किनारे कूड़े के ढेर पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। वहां से गुजर रहे लोगों ने शव देखकर स्थानीय पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव के कपड़ों की तलाशी ली। कपड़ों से शव की पहचान से जुड़े कोई दस्तावेज नहीं मिले। मृतक की उम्र करीब 45 साल बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने शव की पहचान करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने शव की तस्वीरें लेकर उसकी पहचान कराने की कोशिश शुरू कर दी है। यह घटना कटरा थाना क्षेत्र के सियूरा मोड़ के पास हुई। शव देखने से उसकी उम्र 45 साल लग रही थी। सूचना मिलने पर मौके पर भीड़ जमा हो गई और कटरा थाने की पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने शव को कूड़े के ढेर से हटाया और उसके कपड़ों की तलाशी ली, लेकिन कोई कागजात नहीं मिले, जिससे उसकी पहचान हो पाती। स्थानीय लोगों से भी शव की पहचान कराने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने बताया कि वे उसे नहीं पहचानते और पहले कभी आसपास नहीं देखा। पुलिस ने शव की तस्वीरें लेकर आसपास के गांवों में पुलिसकर्मियों को भेजा है, ताकि उसकी पहचान हो सके। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। यह भी बता पाना मुश्किल है कि शव कितने दिन पुराना है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

नागर प्रधान डॉ. अनुज कुमार द्विवेदी पंचायत रत्न के लिए नामित

देशभर के 51 उत्कृष्ट पंचायत प्रतिनिधियों को गांधी जयंती पर मिलेगा सम्मान

अमन लेखनी समाचार

गरौठा/झांसी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आजमगढ़ के बीनापारा पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में देशभर के 51 उत्कृष्ट पंचायत प्रतिनिधियों को पंचायत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। ग्रामीण सत्ता पंचायती राज संगठन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से चयनित पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे। झांसी मंडल से ब्लॉक बामौर की ग्राम पंचायत नागर के ग्राम प्रधान डॉ. अनुज कुमार द्विवेदी तथा जालौन से बबली गौतम को पंचायत रत्न पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक चंद्र अवस्थी एवं राष्ट्रीय महासचिव राजमणि पांडेय ने बताया कि पंचायतों में बेहतर कार्य करने, ग्रामीण विकास को गति देने तथा जनसुविधाओं और जनहित से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मान किया जाएगा। डॉ. अनुज कुमार द्विवेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के अलावा हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, कर्नाटक, झारखंड और सिक्किम सहित विभिन्न राज्यों के पंचायत प्रतिनिधियों को पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित करने का उद्देश्य उनके कार्यों को पहचान दिलाने के साथ ही देश की अन्य पंचायतों एवं जनप्रतिनिधियों को ग्रामीण विकास के लिए बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में पंचायतों की भूमिका, ग्रामीण विकास, जनभागीदारी तथा पंचायतों को अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

न्यायालय के आदेश पर एरच पुलिस ने नष्ट किए 11 अवैध असलहे

वर्ष 2000 से 2011 के बीच दर्ज मामलों से जुड़े थे हथियार, प्रशासनिक व पुलिस अफसरों की मौजूदगी में लोहार से पिटवाकर किया गया विनष्ट

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। वरिष्ठ अधिकारियों और माननीय न्यायालय के निर्देश पर थाना एरच पुलिस ने मालखाने में वर्षों से जमा 11 अवैध असलहों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। यह कार्रवाई शनिवार को क्षेत्राधिकारी व नायब तहसीलदार की निगरानी में कड़ी सुरक्षा और वीडियोग्राफी के बीच संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार, थाना एरच के मालखाने में आयुध अधिनियम से संबंधित कई मुकदमे लंबित चल रहे थे। इन मामलों में जब्त किए गए अवैध हथियारों के निस्तारण के लिए पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय सिविल जज (सी०डि०) / ए०सी० जे०एम० गरौठा से अनुमति मांगी गई थी। माननीय न्यायालय ने वर्ष 2000 से 2011 के बीच दर्ज 11 अभियोगों से संबंधित 11 बरामद अवैध असलहों को विनिष्ट (नष्ट) करने का आदेश जारी किया था।

वीडियोग्राफी और पंचनामे के साथ हुई कार्रवाई

न्यायालय के आदेश के अनुपालन में शनिवार को कड़ी कानूनी औपचारिकताओं के बीच इन हथियारों को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। नष्ट किए गए हथियारों में 07 अवैध तमंचे और 04 छुरियां शामिल थीं। नियम और पूरी पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक पेशेवर लोहार को बुलाया गया, जिसने पुलिस बल की मौजूदगी में सभी हथियारों को पीट-पीटकर पूरी तरह से कबाड़ में तब्दील कर दिया। इस पूरी कार्रवाई की मौके पर ही वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई गई और मौके पर ही पंचनामा तैयार किया गया। हथियारों को नष्ट किए जाने के दौरान मौके पर प्रशासनिक और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मुस्तैद रही। इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्राधिकारी (उड) गरौठा पीयूष कुमार पाण्डेय, नायब तहसीलदार (बामौर क्षेत्र) अमन कुमार, थाना एरच प्रभारी निरीक्षक सुरजीत सिंह और मालखाना इंचार्ज हे०मु० 58 अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

गणेश महोत्सव को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

अमन लेखनी समाचार

ककरवई, झांसी। आगामी गणेश महोत्सव को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना ककरवई परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने की। बैठक में क्षेत्रीय ग्राम प्रधान, गणमान्य नागरिक एवं गणेश महोत्सव कमेटी के सदस्य मौजूद रहे । थाना अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने सभी से त्योहार आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और न ही अफवाह फैलाएं। शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आरती के समय सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल मौजूद रहेगा। इस दौरान ग्राम प्रधान सरजू प्रसाद पाठक (धमनौड़), ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लोकेंद्र सिंह (डुमरई), उमाशंकर सोनी, राजेंद्र यादव, पुष्पेंद्र, शिशुपाल सिंह, शिब्बू तिवारी, पुष्पेंद्र कुशवाहा, प्रकाश चंद्र गुप्ता, सियाराम कुशवाहा, शशिकांत तिवारी, धर्मजीत यादव सहित उपनिरीक्षक विजय शंकर मिश्रा, एसआई जयपाल सिंह एवं थाना ककरवई का पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री को अजय राय ने लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

- **टीजीटी एवं पीजीटी 2026 भर्ती में पूर्व प्रचलित नियमावली के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को एक अवसर देने की उठायी मांग**

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर यूपी टीजीटी एवं पीजीटी 2026 भर्ती में पूर्व प्रचलित नियमावली के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को एक अवसर दिए जाने के लिए सकारात्मक संस्तुति प्रदान करते हुए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अविलंब इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लिये जाने के लिए निर्देश दिये जाने की मांग की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रस्तावित यूपी टीजीटी एवं पीजीटी 2026 भर्ती से संबंधित अभ्यर्थियों की एक महत्वपूर्ण मांग से सम्बन्धित प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें उल्लेख किया गया है कि 23,123 रिक्त पदों पर प्रस्तावित इस भर्ती के लिए अनेक अभ्यर्थियों ने पूर्व में लागू नियमावली के अनुरूप अपनी शैक्षिक योग्यता अर्जित की है तथा लंबे समय से भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले पात्रता एवं शैक्षिक योग्यता संबंधी शर्तों में किए गए परिवर्तन के कारण इन अभ्यर्थियों में से बड़ी संख्या के वर्तमान भर्ती में अपात्र होने की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने लिखा कि अभ्यर्थियों की मांग केवल पूर्व व्यवस्था को बनाये रखने तक सीमित नहीं है। उन्होंने उस समय प्रचलित नियमावली एवं पात्रता शर्तों के अनुरूप अपनी शैक्षिक योग्यता अर्जित की और उसी आधार पर भर्ती की तैयारी की है। ऐसे में पात्रता शर्तों में परिवर्तन के कारण पूर्व निर्धारित योग्यता के आधार पर तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के वर्तमान भर्ती में शामिल होने का अवसर प्रभावित होना स्वाभाविक है। अतः उन्हें पूर्व प्रचलित नियमावली के आधार पर एक अवसर दिया जाना संतुलित एवं न्यायसंगत होगा। उन्होंने कहा है कि विशेषकर ऐसे अभ्यर्थी, जिनके लिए नई योग्यता प्राप्त करना अतिरिक्त समय लेगा और जो आयु सीमा अथवा अन्य व्यावहारिक कारणों से अगली भर्ती की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, उनके लिए यह परिवर्तन उनके अब तक किए गए परिश्रम और रोजगार की संभावना को लगभग समाप्त कर देता है। उन्होंने कहा कि यह विषय बड़ी संख्या में युवाओं के रोजगार और भविष्य से जुड़ा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 17 घंटे भी नहीं मिल रही बिजली, 3650 मेगावाट की आपात कटौती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली की मांग और उपलब्धता के बीच बढ़ते अंतर ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली संकट को गंभीर बना दिया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दावा किया है कि गांवों में निर्धारित 18 घंटे की बिजली आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लगातार कटौती से ग्रामीण उपभोक्ताओं में आक्रोश और हाहाकार की स्थिति है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि यूपीएसएलडीसी के 13 सितंबर के आंकड़ों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति घटकर 16 घंटे 41 मिनट रह गई है। ब्रेकडाउन और स्थानीय स्तर पर होने वाली कटौती के कारण वास्तविक आपूर्ति इससे भी कम हो सकती है। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर की दैनिक प्रणाली रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में प्रतिबंधित बिजली मांग 28,834 मेगावाट थी, जबकि उपलब्धता केवल 25,184 मेगावाट रही। इस तरह मांग और उपलब्धता के बीच 3,650 मेगावाट का अंतर रहा। इसके चलते बड़े पैमाने पर आपात कटौती करनी पड़ी। वर्मा ने कहा कि बारिश के मौसम में घंटों बिजली गुल रहने से ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रात में अंधेरा होने से सांप, जहरीले कीड़े-मकोड़े और अन्य जीव-जंतुओं का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने सरकार और पावर कॉरपोरेशन से तत्काल अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था कर ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

युवाओं के लिए डॉक्टर बनने के अवसरों का हुआ विस्तार

सरकारी मेडिकल कॉलेजों का नेटवर्क तीन गुना तक पहुंचा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डॉक्टर बनने का सपना देख रहे उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए योगी सरकार ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों का पिटारा खोल दिया है। प्रदेश में नीट यूजी-2026 की दूसरी काउंसलिंग 14 सितंबर से शुरू होने जा रही है। इसी बीच मेडिकल शिक्षा के विस्तार के आंकड़े बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में लंबी छलांग लगाई है।

वर्ष 2017 में प्रदेश में 36 मेडिकल कॉलेज थे और एमबीबीएस की 4,690 सीटें थीं। वहीं 20 अगस्त 2026 तक मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 और एमबीबीएस सीटें 13,600 पहुंच गई हैं। यानी आठ वर्षों में 49 नए मेडिकल कॉलेज और 8,910 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों का विस्तार हुआ है। यह बदलाव सिर्फ मेडिकल कॉलेजों की बढ़ती संख्या का आंकड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश में हर साल चिकित्सा शिक्षा हासिल करने के लिए उपलब्ध अवसरों के बड़े विस्तार की कहानी है। वर्ष 2012 में जहां प्रदेश में कुल 2,740 एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या 13,600 हो गई है। यानी करीब पांच गुना बढ़ी सीटों की क्षमता आने वाले वर्षों में डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने का आधार बन रही है। मेडिकल शिक्षा के विस्तार में राजकीय क्षेत्र की भूमिका सबसे अहम रही है। वर्ष 2017 में प्रदेश में 15 राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित थे। 20 अगस्त 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर 45 हो गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी वर्ष 2017 की 1,990 से बढ़कर 5,350 हो गई है। यानी इन वर्षों में राजकीय क्षेत्र में 3,360 सीटों का इजाफा हुआ है। इससे सरकारी मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के लिए अवसरों का दायरा पहले के मुकाबले कहीं अधिक विस्तृत हुआ है। मेडिकल शिक्षा के इस विस्तार से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चिकित्सा शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आधार मजबूत हुआ है। मेडिकल शिक्षा के विस्तार में निजी क्षेत्र ने भी योगदान दिया है। वर्ष 2017 में प्रदेश में 21 निजी मेडिकल कॉलेज थे, जो 20 अगस्त 2026 तक बढ़कर 40 हो गए हैं। निजी क्षेत्र में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी 2,700 से बढ़कर 8,250 हो गई है। इस तरह वर्ष 2017 के मुकाबले निजी क्षेत्र में 5,550 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटें बढ़ी हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र की बढ़ती क्षमता ने प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के कुल अवसरों का दायरा व्यापक किया है। डीजी मेडिकल एजुकेशन नेहा शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने के साथ चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों, नर्सिंग कॉलेजों और छात्रावासों जैसी परियोजनाओं के विकास से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने की क्षमता बढ़ रही है। राजकीय मेडिकल कॉलेजों का विस्तार प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में मेडिकल शिक्षा की पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले वर्षों में इन संस्थानों से प्रशिक्षित होकर निकलने वाले चिकित्सक प्रदेश और देश की स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देंगे। उत्तर प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों का यह विस्तार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चिकित्सा शिक्षा को दी जा रही प्राथमिकता को रेखांकित करता है। 2017 के मुकाबले मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 49 और एमबीबीएस सीटों में 8,910 की बढ़ोतरी हुई है।

जल भराव से निपटने को अलर्ट मोड में रहें अधिकारी

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने विद्युत समस्याओं के समाधान को लेकर की समीक्षा बैठक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/वाराणसी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सर्किट हाउस वाराणसी में नगर निगम, जल निगम एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में जल भराव, जल निकासी, साफ-सफाई एवं विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने तथा आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए।

मंत्री एके शर्मा ने जल भराव की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जल भराव से निपटने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जाए। जहां-जहां जल निकासी के लिए परियोजनाएं बनाए जाने की आवश्यकता है, वहां यथाशीघ्र अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे जल भराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल निकासी की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के साथ-साथ भविष्य में जल भराव की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार की जाए। नगर विकास मंत्री ने जल निकासी मार्गों में अवरोध उत्पन्न किए जाने की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्वेषवश गिट्टी की बोरियां अथवा अन्य सामग्री डालकर पानी के निकास को बाधित करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जल निकासी मार्गों की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी प्रकार का अवरोध पाए जाने पर तत्काल हटाया जाए, ताकि नागरिकों को जल भराव की समस्या का सामना न करना पड़े।

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप दिया जाये : एके शर्मा

लखनऊ/जौनपुर। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एवं जौनपुर के प्रभारी मंत्री एके शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को पुलिस लाइन सभागार में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर अंतरविभागीय बैठक आयोजित हुई।

बैठक में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव, विधायकगण, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन., पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रखते हुए व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाया जाये। अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में हुए जनकल्याणकारी कार्यों एवं विकास उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ा जाए। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाए।

दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

- **विश्व दिव्यांग दिवस पर 12 श्रेणियों में दिए जाएंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार**

लखनऊ। दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और उनके लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने राज्य स्तरीय पुरस्कार-2026 की घोषणा की है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

यह पहल दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार का सराहनीय कदम है। राज्य सरकार ने पुरस्कारों के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं को पहचान देने की व्यवस्था की है। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए कुल 12 श्रेणियां निर्धारित की गई है। प्रत्येक पुरस्कार के लिए 25 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित है। इनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति/संस्था, प्रेरणास्त्रोत एवं सृजनशील दिव्यांग बालक/बालिका, दिव्यांग खिलाड़ी, दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण के सृजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तथा दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला सहित अन्य श्रेणियां शामिल हैं।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने धरनारत अभ्यर्थियों से की मुलाकात

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के नेतृत्व में रविवार को पार्टी का प्रतिनिधिमंडल ने इकोगार्डेन में पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन और 68500 सहायक शिक्षा भर्ती 2018 ओबीसी 5 प्रतिशत छूट व आरक्षण तथा आरक्षण में नियत प्रक्रिया के अनुपालन न किये जाने के विरोध में धरना-प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

प्रतिनिधिमंडल ने आश्वासन दिया कि समाजवादी सरकार बनते ही उनकी समस्याओं का निराकरण होगा। सबको पक्की नौकरी देंगे उनकी समस्याओं का निराकरण होगा इसलिए 2027 में समाजवादी सरकार बनाने में सभी सहयोग करें। प्रतिनिधिमण्डल में विधायकगण रविदास मेहरोत्रा, सुरेश यादव, गौरव रावत तथा अरमान खान सहित डॉ. राजपाल कश्यप प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, जयसिंह जयंत जिलाध्यक्ष सपा लखनऊ, शब्बीर खान महासचिव सपा लखनऊ एवं कुलदीप यादव, संदीप यादव, अनिल पासी, महेन्द्र यादव, उवैद सानू, अरमान खान, उपेन्द्र सिंह आदि शामिल थे। पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन ने सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल को ज्ञापन देकर ब्रजेश मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष, सतेन्द्र प्रदेश संगठन मंत्री तथा चंद्रदेव सूचना मंत्री ने पंचायत सहायकों के मानदेय में वृद्धि, सेवा सुरक्षा तथा अन्य न्यायोचित मांगों के सम्बंध में सरकारी उपेक्षा की शिकायत की।

जरहां न्याय पंचायत में नेटवर्क का संकट, जियो-एयरटेल की कमजोर कनेक्टिविटी से ग्रामीण बेहाल

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर। जरहां न्याय पंचायत क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। नेमना, चेतवां, जरहां, सेवकाडाड़ बीजपुर सहित आसपास के कई इलाकों में जियो और एयरटेल जैसी प्रमुख मोबाइल कंपनियों का नेटवर्क या तो बेहद कमजोर है या कई स्थानों पर पूरी तरह नदारद रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से नेटवर्क की समस्या बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार कंपनियों द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। मोबाइल उपभोक्ता हर महीने भारी-भरकम रिचार्ज कराते हैं, इसके बावजूद उन्हें कॉलिंग और इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पर्याप्त रूप से नहीं मिल पा रही हैं। जरहां मंदिर के पास किए गए लाइव नेटवर्क टेस्ट में मोबाइल पर महज एक-दो सिग्नल दिखाई दिए, लेकिन इसके बावजूद कॉल कनेक्ट नहीं हो सकी। इंटरनेट चलाने का प्रयास किया गया तो नेटवर्क की स्थिति ऐसी रही कि डेटा सेवा भी काम नहीं कर पाई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि क्षेत्र में मोबाइल उपभोक्ताओं को किस तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आज के समय में मोबाइल नेटवर्क केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि ऑनलाइन पढ़ाई, बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, नौकरी से संबंधित कार्य और आपातकालीन संपर्क के लिए बेहद जरूरी हो गया है। ऐसे में नेटवर्क नहीं होने से लोगों को कई किलोमीटर दूर जाकर मोबाइल चलाने या जरूरी कॉल करने की मजबूरी बनी रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित टेलीकॉम कंपनियों से क्षेत्र का सर्वे कराकर नेटवर्क टावर एवं कनेक्टिविटी व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है, ताकि लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

युवाओं को सकारात्मक सोच देने में साहित्य की भूमिका अहम : पार्थ सारथी सेन

- **गोमती पुस्तक महोत्सव के तीसरे सत्र में विशेष संवाद आयोजित**

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। गोमती पुस्तक महोत्सव के तीसरे सत्र में अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के साथ अनुभव, विचार और संवाद विषय पर विशेष संवाद आयोजित किया गया। इस सत्र का समन्वय चंद्रशेखर वर्मा ने किया। संवाद के दौरान प्रशासनिक दायित्वों के साथ साहित्य एवं लेखन के क्षेत्र में सक्रिय सेन शर्मा के रचनात्मक व्यक्तित्व, साहित्यिक यात्रा और जीवन से जुड़े अनुभवों पर विस्तार से चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की साहित्यिक रुचि और लेखन ने संवाद को विशेष आयाम प्रदान किया।

इस दौरान उनकी चर्चित पुस्तकों लव इन लखनऊ, अंडमान-अंडमानुष सफर का उपन्यासनामा, लव साइड बाय साइड, द विकसित भारत क्विज, हम हैं राही प्यार के, मुसाफिर हूँ यारो, लखनऊ डायरीज तथा एक कदम हजार अफसाने पर चर्चा हुई। उन्होंने अपनी रचनाओं की पृष्ठभूमि, लेखन के अनुभव, साहित्य के प्रति अपने दृष्टिकोण तथा जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंग श्रोताओं के साथ साझा किए। लखनऊ के संदर्भ में अपर मुख्य सचिव शर्मा ने कहा कि लखनऊ अपने भीतर कई सदियों के इतिहास, संस्कृति और सामाजिक बदलावों को समेटे हुए है। उन्होंने कहा कि लगभग बीस वर्ष पहले का लखनऊ, उसका रहन-सहन और सामाजिक परिवेश आज के लखनऊ से काफी अलग है। उन्होंने भविष्य में लखनऊ को केंद्र में रखकर एक ऐतिहासिक उपन्यास लिखने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित रचना वर्ष 1916 से 2026 तक की समयावधि को केंद्र में रखकर तैयार करने की उनकी योजना है।

अपनी पुस्तक लव इन लखनऊ के संदर्भ में अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि इस पुस्तक की रचना आज के बच्चों और युवाओं को ध्यान में रखकर की गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई युवा प्रेम संबंधों में असफलता या धोखा मिलने के बाद आत्महत्या जैसे खतरनाक कदम उठा लेते हैं। ऐसे में साहित्य युवाओं को भावनात्मक रूप से संभालने, परिस्थितियों को समझने और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अंडमान-अंडमानुष सफर का उपन्यासनामा पर भी विस्तार से चर्चा की तथा अंडमान-निकोबार से जुड़े अपने अनेक रोचक अनुभव और प्रसंग श्रोताओं के साथ साझा किए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर विचार व्यक्त करते हुए अपर मुख्य सचिव शर्मा ने कहा कि एआई हमेशा हमारी बातों और भावनाओं को उसी रूप में प्रस्तुत नहीं करता, जिस रूप में हम उन्हें व्यक्त करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अपने साहित्य और समाज को सही ढंग से समझने के लिए हमें अपनी भाषाओं को स्वयं विकसित और समृद्ध करना होगा। भाषा की मौलिकता, संवेदनशीलता और साहित्यिक अभिव्यक्ति को बनाए रखना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। संवाद के दौरान समन्वयक चंद्रशेखर वर्मा के सहज और सारगर्भित प्रश्नों ने कार्यक्रम को रोचक एवं सार्थक दिशा प्रदान की। अनुभव, साहित्य, विचार और समकालीन विषयों के समन्वय से हुए इस विशेष संवाद ने श्रोताओं को अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा के प्रशासनिक व्यक्तित्व के साथ-साथ उनके रचनात्मक, साहित्यिक और संवेदनशील पक्ष से भी परिचित कराया।

ककरवई पावर हाउस से रात्रि में 4 -6 घंटे की बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

अमन लेखनी समाचार

ककरवई। ककरवई बिजली घर से जुड़े गांवों में रात के समय हो रही अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान हैं। कस्बे और आसपास के गांवों के लोग बिजली की इस समस्या से जूझ रहे हैं। कस्बे के लोगों का कहना है कि वे दिन की कटौती तो किसी तरह सह लेते हैं, लेकिन रात में चार से छह घंटे तक बिजली बंद रहने से बहुत परेशानी होती है। उमस और तेज गर्मी के कारण लोगों को रात भर जागकर बिताना पड़ रहा है। कचीर, ककरवई, सिया, खरका और भौवई जैसे गांवों के ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी ठीक से बिजली सप्लाई नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है कि जब वे समय पर बिजली बिल भरते हैं, तो उन्हें पूरी बिजली मिलनी चाहिए। क्षेत्र के लोगों ने बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से मांग की है कि इलाके की बिजली सप्लाई को तुरंत ठीक किया जाए। इस दौरान लालूप्रसाद यादव, विनोद परिहार, कल्याण यादव, रविंद्र यादव, नरेंद्र प्रजापति, विनोद अहिरवार, मान सिंह यादव, पुष्पेंद्र प्रजापति, राहुल प्रजापति और कल्लू साहू समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

विशेषः हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

आवरण कथा
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रुककर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्तां हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पंक्ति आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

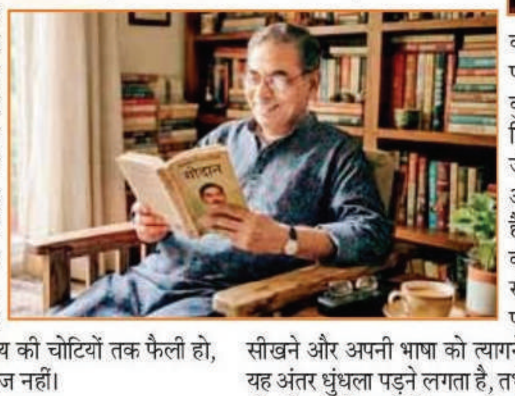

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।

समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विडंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुस्कुराईं और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?'

उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल भाषाई नहीं, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करता है, वह धीरे-धीरे अपनी जड़ों से भी दूर होता चला जाता है। हमें इस बात को समझना होगा कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह सोचने की एक शैली होती है, संस्कारों को आगे बढ़ाने का माध्यम होती है। जब बच्चा अपनी दादी की कहानियां, लोरियां हिंदी में नहीं सुन पाता, जब वह लोकगीतों की लय से अपरिचित रह जाता है, तो वह केवल एक भाषा नहीं खोता, अपने भीतर की एक पूरी दुनिया खो देता है।

सभी करें हिंदी का सम्मान

यह कहना उचित होगा कि भाषा का अपमान केवल उस भाषा का अपमान नहीं, वह पूरी संस्कृति का अपमान है। जिस तरह किसी वृक्ष की जड़ों को काटकर उसकी शाखाओं की हरियाली की उम्मीद नहीं की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उतना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लौटाएं। k

---

विशेषः गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम
महापर्व गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहलः गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया।

ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्पः आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाडू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों को समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

मोदक का औषधीय महत्वः गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकडीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।

समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्यः भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। k

---

कविता
अलका 'सोनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर
पढ़े जाने से पहले,
भाषणों में,
कहीं सुने जाने से पहले,
गूंजी थी वो मेरे कानों में।
जैसे गूंजी थी
अभिमन्यु के कानों में
चक्रव्यूह भेदने की कला।
फिर अकसर गूंजती ही रही वो,
मां की आवाज में।
लोरी में,
और पिता की डांट में
छिपे दुलार में भी।
और उनके कई
अनकहे भय के बीच,
हौंसला देने वाले संसार में भी।
उसने तब भी
गले लगाया था मुझे
जब मैं नहीं जानती थी
उसके व्याकरण का कोई नियम।
क्योंकि यह उसके
और मेरे बीच के
उन रिश्तों की गर्माहट है,
जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता
कोई शब्दकोश।
वो मेरे आंगन में बिखरी
सुबह की धूप है।
सर पर बनी रहने वाली,
ममता की छांव है।
दादी की कहानी में
हर बार आता हुआ
कोई पुराना गांव है।
वो और कोई नहीं
मेरी हिंदी है।
जिसमें बसी है
कबीर की निर्भीकता,
तुलसी की लोक-गंध की खुशबू
प्रेमचंद के पात्रों का संघर्ष,
महादेवी की करुणा,
और निराला की विद्रोही चेतना।
क्योंकि मेरी हिंदी ने
बनाया है
राजमहलों से अधिक
जन-मन में अपना घर।

व्यंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे नए-नए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं-यह जुमला मैं बचपन से सुनता आ रहा हूं। यह जुमला आज के दौर में उतना ही प्रसांगिक है, जितना पुराने दौर में। सत्ता आए या जाए, सरकार किसी की भी बने लेकिन 'गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं' स्थाई आदर्श वाक्य है। यह न बदला है और न कभी बदलेगा। सरकार जब नई आती है तो रुतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। धीरे-धीरे नए-नए तरीके से गड़बड़ी आरंभ होती है और पांच साल तक गड़बड़ी के सहारे ही सरकार चलती है। गड़बड़ी कोई और नहीं उन्हीं के नेता और कार्यकर्ता करते हैं। आम लोग तो उनकी गड़बड़ी बर्दाश्त करते हैं। सरकारों की बात छोड़िए हमारे यहां के प्रशासन ने भी इसे नारा ही बना लिया है। कोई आला अधिकारी जब अपनी ड्यूटी ज्वाइन करता है तो वह अपने अधीनस्थ कर्मचारी को यही हिदायत देता है, 'मेरे होते हुए गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' जिले में बैठे अफसर भी यही कहते हैं कि जिले में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्कूल प्रशासन से लेकर सचिवालय प्रशासन तक के अधिकारी बस यही आदर्श वाक्य इस तरह से दोहराते हैं कि जनता और कर्मचारी उनके इस वाक्य से डर जाएंगे। भैया डरना तो दूर की बात वे मुस्कुराते हुए कहते हैं कि थोड़े दिन रुक जाओ अभी नया-नया आया है। सचमुच नयापन झड़ते ही वह अधिकारी भी पुराने ढर्रे पर आ जाता है और गड़बड़ी बर्दाश्त करने का आदी हो जाता है। आप से ही यह कहकर निश्चिंत हो लेता है कि गड़बड़ी कहां नहीं होती! यह देश चल ही रहा गड़बड़ियों के सहारे है। गड़बड़ी बर्दाश्त करना हमारी परंपरा है। बिना गड़बड़ के तो सरकार चल ही नहीं सकती। गड़बड़ी नहीं होगी तो पुलिस की क्या जरूरत। जांच करने के लिए कोई आयोग बनाया तब ही जाएगा, जब गड़बड़ी होगी। कुल मिलाकर गड़बड़ी बर्दाश्त करना हमें आना चाहिए। जो गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं कर सकता वह कुशल प्रशासक बन ही नहीं सकता। पिछले दिनों की बात है हमारे शहर के माननीय ने कार्यग्रहण किया। दूसरे दिन समाचार पत्र में छपा कि महोदय ने आला अधिकारियों के साथ शहर में फ्लैग मार्च निकाला और शहर वासियों को संदेश दिया की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेरी समझ में यह नहीं आ रहा कि कौन-सी और किस प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी? ये चोर-लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, लापरवाहों, रिश्वतखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। k

---

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत को याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रहीं और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। k

पुस्तकः जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), **अनुवादः** मृत्युंजय, **मूल्यः** 199 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

परीक्षा

पिछली सर्दियों की बात है। रात के अंधेरे को चीरती हुई ट्रेन अंबाला की तरफ भागती चली जा रही थी और साथ ही मेरी घबराहट भी बढ़ती जा रही थी। कुछ ही देर में अंबाला आने वाला था। आज सुबह की ट्रेन से मैं पापा के साथ दिल्ली गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा देने और अब वापिस लौट रही थी। वापस लौटते हुए ट्रेन में पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। माइग्रेन के दौरे के कारण उन्हें चक्कर आने लगे थे और मितली भी। ऐसी तकलीफ उन्हें हर चार-छह महीने में कभी भी हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय मैं पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निढाले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्शा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुंह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रौबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्शा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। k

-हरीश कुमार 'अमित'

खाका

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकैती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद्व छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्रॉइंग शीट पुलिस अफसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जांबाज लड़का है, जिसने डकैतों से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। k

- देवेंद्रराज सुथार